राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–24 | अंक–11 | मई–जून, 2024 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर परिण्डा अभियान का शुभारम्भ किया गया।
मूक पक्षियों को गर्मी में राहत प्रदान करने के उद्देश्य से परिण्डा लगाते हुए नन्हें कब बुलबुल के खिलखिलाते हुए चेहरे।

चित्र विथिका

श्री खाटूश्याम जी मेला सेवा शिविर में संभागियों को संबोधित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं उपस्थित रोवर्स

राज्य मुख्यालय, जयपुर पर परिण्डा लगाते एवं जिला मुख्यालय, अलवर की विज़िट के दौरान निर्देश प्रदान करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

पृथ्वी दिवस के अवसर पर पौधा लगाते सीकर के अधिकारीगण

पृथ्वी दिवस के अवसर पर बाड़मेर में मटकियों में पौधे लगाती गाइड्स

भीलवाड़ा में पृथ्वी दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए स्काउट गाइड

नागौर में पृथ्वी दिवस के अवसर पर पौधारोपण की तैयारी में गाइड्स

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 11
मई–जून, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा
राज. लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

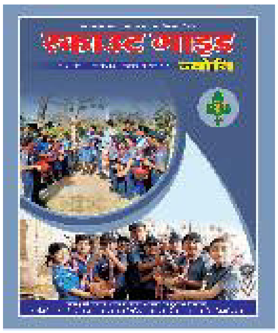

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
श्रीखाटूश्याम जी मेला सेवा शिविर	5
लीडरशिप कम एडुकेशनल टूर शिविर	7
प्रकृति अध्ययन शिविर	7
स्वच्छता पखवाड़ा व पोषण दिवस	8
''अन्धकार को क्यों धिक्कारें, बेहतर है एक दीप जलाएँ''	9
गतिविधि दर्पण	10
जल ही जीवन	19
हमारे महापुरुष : गोपाल कृष्ण गोखले	20
पर्यटन स्थल : विश्व धरोहर रणथंभोर दुर्ग	22
हमारा स्वास्थ्य : गर्मियों में चुस्त कैसे रहें	23
दक्षता पदक	24
वार्षिक कार्यक्रम 2024–25	25
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

प्रकृति प्रगति और प्रफुल्लित मन

स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने गत माह **प्रकृति और प्रगति** के लिए सामाजिक व राष्ट्रीय सरोकारों से युक्त दिवसों व आयोजन में सहभागिता कर जन जन को स्काउट गाइड आन्दोलन की सेवा से परिचित कराया। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वास्थ्य चेतना रैलियां निकाल कर जन जन को जागरूक करने का प्रयास किया। विश्व पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण एवं जैवविविधता संरक्षण के लिए अनेक आयोजन किये तो वहीं प्रदेश में मूक पक्षियों के लिए परिण्डा अभियान की शुरूआत की। प्रकृति को समर्पित इन आयोजनों में संगोष्ठियां, प्रतियोगिताएं, पौधारोपण, स्वच्छता और परिण्डा व चुग्गा पात्र बांधने जैसे अनेक कार्य कर स्काउट गाइड ने अपनी उपलब्धता और उपयोगिता से अवगत कराया।

वहीं दूसरी ओर राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक आम चुनावों में आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए स्काउट गाइड ने निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार मतदान के प्रति जन–जागृति संबंधी कार्यक्रमों और मतदान दिवस पर मतदान केन्द्रों पर अपनी सेवाएं प्रदान कर स्काउट गाइड ने इस संगठन की छवि को मानव सेवा को संकल्पित और समर्पित आन्दोलन की रूप में कायम रखा।

अब समय है हमारे स्काउट गाइड रोवर रेंजर के अन्तर्मन को प्रफुल्लित करने का। समय है ग्रीष्मावकाश का। इस अवधि में संगठन विविध रूचिकर कार्यक्रमों में सहभागिता का अवसर प्रदान करता है। राजस्थान के एकमात्र पर्वतीय स्थल आबूपर्वत पर प्रकृति की गोद में अनेक प्रशिक्षण शिविरों के साथ सदैव की भांति साहसिक शिविरों का रोमांच होगा। रोवर रेंजर और स्काउटर गाइडर के लिए राष्ट्र से बाहर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोज्य हाइक आपके ग्रीष्मावकाश को अविस्मरणीय भ्रमण से आल्हादित कर देगी। साथ ही युवा पीढ़ी को स्वरोजगार की दिशा में मुकाम हांसिल कराने के उद्देश्य से सदैव की भांति प्रत्येक स्तर पर कौशल विकास प्रशिक्षण शिविरों का संचालन किया जाना भी निश्चित है।

आप सभी से आह्वान है कि ग्रीष्मावकाश का आनन्द उठाएं, परन्तु इस दौरान अपने कर्तव्य को भी निभाएं। पथिकों के लिए जल सेवा हो या मूक पक्षियों के लिए परिण्डे बांधना हो, ये दायित्व अवश्य निभाएं।

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

मतदान जन जागृति कार्यक्रम, जन जागरूकता रैली, स्वीप गतिविधियां, नुक्कड़ नाटक, रंगोली, सतरंगी सप्ताह कार्यक्रम इत्यादि अनेक आयोजनों के माध्यम से गत 2 माह से स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने अपने वयस्क लीडर्स के मार्गदर्शन में मतदान के प्रति आमजन को जागरूक करने में अपनी सेवाएं दी। हमारे बालचरों की सेवाओं और निर्वाचन विभाग के प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए निर्वाचन अधिकारियों ने मुक्त कंठ से इनकी प्रशंसा की। यह प्रशंसा हमारे संगठन की प्रतिबद्धता को प्रतिपादित करती है।

मतदान के प्रति जन–जागृति के पश्चात स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने मतदान दिवस पर मतदान केन्द्रों पर अपनी सेवाएं प्रदान कर वृद्धजन, नि:शक्तजन और दिव्यांगों को सुगम मतदान में आवश्यक सहयोग प्रदान किया। प्रदेश का प्रत्येक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर राष्ट्र की प्रगति में सहायक बनें, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए स्काउट गाइड संगठन ने अपने कर्तव्यों की पालना की।

विश्व पृथ्वी दिवस पर आप सभी ने अनेक कार्यक्रमों, समारोहों और संगोष्ठियों का आयोजन कर पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन कर आने वाली पीढ़ी के बेहतर कल को दृष्टिगत रखते हुए कार्य कर समाज में अपनी प्रतिष्ठा कायम रखी।

निश्चित ही ये कार्य और उपलब्धियां हमें गौरवान्वित करती है। साथ ही यह कहते हुए आनन्द की अनुभूति होती है कि स्काउट गाइड संगठन अन्य संगठनों के लिए मार्गदर्शक बन समाजोत्थान की दिशा में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने में सदैव तत्पर रहता है। संगठन के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं व युवा शक्ति द्वारा किये जा रहे ये कार्य और सेवाएं इस आंदोजन को क्षमता व सामर्थ्य प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगे।

स्काउट गाइड भावना सहित....!

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

श्रीखाटूश्याम जी मेला सेवा शिविर

अनवरत चला 11 दिन सेवा का कारवां

◆ बसन्त कुमार लाटा
सी.ओ. (स्काउट), सीकर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर द्वारा हर वर्ष की भाँति नये जोश नई ऊर्जा के साथ श्री खाटूश्यामजी के फाल्गुन मेले में दिनांक 11 से 21 मार्च 2024 तक पूरे राज्य ही नही पूरे राष्ट्र में अपनी पहचान बनाने वाला तथा जन साधारण पर सेवा की अमिट छाप छोड़ने वाला ऐतिहासिक सेवा शिविर का आयोजन किया। राज्य मुख्यालय एवं मण्डल मुख्यालय, जयपुर के प्रोत्साहन एवं जिला सीकर के शिक्षा अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन तथा सी.ओ. स्काउट बसन्त कुमार लाटा के नेतृत्व में सफलता एवं ऐतिहासिक उपलब्धियो के साथ यह सेवा शिविर सम्पन्न हुआ।

पूरे मेला क्षेत्र एवं रींगस से खाटू व पलसाना तक के क्षेत्र एवं विभिन्न रास्तों में स्काउट गाइड संगठन के कर्मठ एवं ऊर्जावान स्काउटर, गाइडर सदस्यों के सहयोग से 1051 स्काउट, गाइड, रोवर, रेन्जर, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टिन, ट्रेनिंग काउन्सलर, सचिव एवं सहायक जिला कमिश्नर, सी.ओ.स्काउट व गाइड ने दिन रात निःशुल्क सेवाएं प्रदान करते हुए कुल 1 लाख 21 हजार 510 घण्टे सेवाएं प्रदान की। प्रत्येक स्काउट गाइड ने 11 दिन तक प्रतिदिन 16 से अधिक घण्टे सेवाएं दी।

सेवा का क्षेत्र

खाटू कस्बे में तोरण द्वार, मेला मजिस्ट्रेट कार्यालय, बस स्टेण्ड, बेरिकेटिंग्स पर, श्याम चौक, पार्किंग, मण्डा तिराहा, मॉर्केट, चारण मैदान, लामिया तिराहा, नया तिराहा, मेला मैदान, मन्दिर चोक, प्रधान कैम्प, थाना मार्ग, पंचायत धर्मशाला तिराहा सहित पूरे मेला क्षेत्र में स्काउट गाइड ने अपनी सेवाएं प्रदान की। जिला सीकर क्षेत्र के स्थानीय संध खाटूश्यामजी, पलसाना, खूड, दॉता, रींगस, धोद, अजीतगढ, थोई, नीमकाथाना, पाटन, सीकर, लक्ष्मणगढ, फतेहपुर, खण्डेला, श्रीमाधोपुर, शिवसिंहपुरा, रामगढ शेखावाटी के अलावा अलवर, दौसा, जयपुर, बून्दी, झून्झूनू, गंगानगर, कोटपूतली–बहरोड, सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, कोटा, चित्तौड़गढ़ के स्काउट व रोवर्स ने इस सेवा शिविर में भाग लिया।

कितने हुए लाभान्वित

खोया पाया 1373 वस्तुएं जिसमें मुख्य रूप से पायजेब, 25मोबाईल, बैग, हाथ घड़ी, पर्स, ए.टी.एम. कार्ड, लाईसेन्स, नकद राशि, थैले आदि वस्तुएं जमा करवाई व सम्बन्धित तक पहुंचाई। स्वच्छ भारत अभियान के तहत मेले में श्रमदान किया। पूरे मेला क्षेत्र की बेरिकेटिंग मे दिन रात लाखों पानी के पाउच वितरित किये व यात्रियों की प्यास बुझाई, पूछताछ के तहत लाखों लोगों को जानकारी प्रदान की, श्याम कुण्ड में भोजन एवं नाश्ते के पैकेट तैयार करने एवं वितरण का कार्य किया, 14 हजार से अधिक उद्घोषणा करवा कर लोगों को सूचित किया। 1421 से अधिक गुमशुदाओं एवं परिजनों से मिलवाने की उद्घोषणा के माध्यम से तलाश कर परिजनों से मिलवाया, जुते चप्पल व्यवस्थित किए, पेट पलायनों की सेवा, हजारों की संख्या में दर्शनार्थियों की प्राथमिक चिकित्सा करवाई एवं डॉक्टर को दिखाया, गरम पानी से यात्रियों के पैर धोना, दवा लगाने का कार्य किया, शरबत व शिकन्जी पिलाई, फल वितरित किए, रेल यात्रियों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं प्रदान की, विभिन्न स्थानो पर यात्रियों को भोजन करवाने में भी सहयोग प्रदान किया तथा अन्य अनेक प्रकार की सेवाओं से मेले में आने वाले श्रद्धालुओ को सहयोग प्रदान कर सुगम दर्शन हेतु लाभान्वित किया। कम से कम 10 हजार दिव्यागो एवं वृद्व जनो को ट्राई साईकिल से शुलभ दर्शन करवा कर सेवाएॅ प्रदान की।

विशेष रूप से प्रतिदिन 1000 से अधिक स्काउट गाइड रोवर रेन्जर, स्काउटर गाइडर ने बेरिकेटिंग एवं उसके आस पास से 3 ट्रॉली पॉलीथिन उठाई एवं खाटूनगरी को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान किया।

श्री खाटूश्यामजी से कोई भी श्याम बाबा का भक्त नंगे पैर अपने गांव नही जाये, इसके लिए खाटू नगरी में श्याम भक्तों के जूते, चप्पलों को ढूंढने में लगातार सेवा करते हुये करीब 70 हजार से अधिक जूते चप्पल के जोड़े बनाये गये। श्याम भक्तों को राहत पहुंचायी। जिसकी श्याम भक्तों एवं जिला कलक्टर सीकर ने भूरि भूरि प्रंशसा की।

सेवा शिविर का अवलोकन

शिविर का अवलोकन राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य, मेला मजिस्ट्रेट एवं उप खण्ड अधिकारी दॉतारामगढ श्री

गोविन्द सिंह भीचर, अध्यक्ष श्री श्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी श्री प्रताप सिहं चौहान, राज्य संगठन आयुक्त स्काउट श्री पूरण सिंह शेखावत ने अवलोकन किया व पूरे मेले में स्काउट गाइड की सेवा देख अभिभूत हुए।

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य मेले में सेवा कर रहे स्काउट गाइड सदस्यों को सेवा देने वाले स्थानों पर जाकर मिले एवं उनसे सेवाओं के बारे में पूछा। श्री आर्य ने उनकी पीठ थपथपाई और उसके बाद स्काउट गाइड के अस्थाई आवास पर जाकर विश्राम कर रहे स्काउट रोवर गाइड रेन्जर्स से मिले। वहाँ पर मुख्यायुक्त महोदय का श्रीश्याम प्रभु की तस्वीर भेंट कर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड को सम्बोधित करते हुए श्री आर्य ने कहा कि सीकर जिले की स्काउटिंग राज्य में अलग ही पहचान रखती है एवं अग्रणीय है। सीकर जिले के स्काउट गाइड एवं पदाधिकारी गण पूरे राज्य ही नही पूरे राष्ट्र में विगत 30 वर्षो से सेवा में आगे रह कर सच्चे रूप से समाज में सेवा का भाव जगाये हुए हैं।

ऐसी उत्कृष्ठ सेवा से ही पूरे राष्ट्र में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड आन्दोलन की अच्छी पहचान बनी है। इसके लिए विशेष रूप से जिला सीकर एवं जयपुर संभाग व अन्य जिलों के स्काउट गाइड कार्यकर्ता प्रशंसा के पात्र हैं व ऐसी सेवा आगे भी जारी रखें। सी.ओ.स्काउट बसन्त कुमार लाटा एवं स्थानीय संघो के पदाधिकारियों के प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा करता हूँ।

राज्य संगठन आयुक्त पूरणसिंह शेखावत भी पूरे मेले में स्काउट गाइड सदस्यों से मिले। उन्होंने कहा कि यह मेला स्काउट गाइड एवं दर्शनार्थियों का अनूठा संगम है। यात्री बाबा के दर्शन करने आये हैं एवं स्काउट गाइड दर्शन करने आने वाले भक्तों की सेवा करने आये हैं, जो कि प्रत्येक अपने अपने भाव में डूबा है। ऐसा संगम बहुत ही कम जगह देखने को मिलता है। ऐसा संगम हमेशा बना रहे।

इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट सीकर बसन्त कुमार लाटा व प्रधान स्थानीय संघ खाटूश्याम जी जनार्दन शर्मा, सचिव स्थानीय संघ पलसाना पवन कुमार शर्मा, सचिव दाँता रामलाल चौधरी, सचिव खाटूश्यामजी मनोज कुमार शर्मा, सचिव नीमकाथाना दिलीप तिवाडी, सचिव रींगस विष्णु कुमार जोशी, सचिव थोई सुवा लाल कुमावत, प्रभुदयाल कुमावत, ओमप्रकाश पारीक सहित स्थानीय संघों के कर्मठ एवं ऊर्जावान पदाधिकारीगण भी मौजूद रहे।

अध्यक्ष श्रीश्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी श्री प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड आन्दोलन की मेला आयोजन में महत्ती भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। इन नन्हे नन्हे स्काउट गाइड ने इस वर्ष अन्य वर्षो से भी अधिक परिश्रम करते हुये शानदार सेवा दी, जिसके लिए मैं बाबा श्याम एवं श्री श्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्याजी के समस्त सदस्यों की ओर से धन्यवाद देता हूँ।

इसके अतिरिक्त स्थानीय संघ रींगस में विभिन्न स्थानों यथा सरगोठ, सन्तोषपुरा व लापूवा, चौमू पूरोहितान तथा स्थानीय संघ पलसाना के मण्डा मोड़ सहित अनेक स्थानों पर भी सेवा शिविर आयोजित किए गए। इन सेवा शिविरों में समस्त स्थानीय संघों के सचिव, प्रभारी कमिश्नर, संस्था प्रधान, स्काउटर गाइडर, स्काउट गाइड, रोवर रेन्जर का पूर्ण सहयोग रहा।

भामाशाहों से मिली मदद

स्काउट्स की रहने एवं बिस्तरों की व्यवस्था श्री श्याममन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा की गई तथा भोजन व्यवस्था श्री श्याम मन्दिर कमेटी के सहयोग से भिवानी हरियाणा निवासी श्री कृष्ण कुमार मित्तल व उनके सहयोगियों तथा नाश्ता व्यवस्था श्री श्याम अखण्ड ज्योति सेवा समिति सूरत द्वारा की गई। श्री श्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा सभी स्काउट्स को प्रमाण पत्र एवं लेमिनेट किया हुआ स्काउट गाइड नियम प्रतिज्ञा का चार्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविरार्थियों के आने जाने के किराये की व्यवस्था श्रीश्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा की गई।

जिला कलक्टर सीकर कमर उल जमान चौधरी एवं मेला मजिस्ट्रेट खाटूश्याजी एवं उप खण्ड अधिकारी दाँतारामगढ गोविन्द सिंह भीचर ने स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं स्काउट गाइड पदाधिकारियों के कार्यो की भूरि भूरि प्रशन्सा की। अगले वर्ष फिर अनुकरणीय सेवाओं के साथ मिलने की भावना के साथ सेवा शिविर का समापन हुआ।

लीडरशिप कम एडुकेशनल टूर शिविर

दयानंद कॉलेज अजमेर व शारीरिक शिक्षा संकाय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित लीडरशिप कम एजुकेशनल टूर शिविर का आयोजन स्टेट एडवेंचर एवं ट्रेनिंग सेंटर नंबर–1, माउंट आबू पर आयोजित किया गया। शिविर 19 से 25 अप्रेल, 2024 तक आयोजित हुआ।

सी.ओ. स्काउट जितेंद्र भाटी साथ में दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा, उप प्राचार्य व शारीरिक शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ.एम.के.सिंह के साथ–साथ कैंप प्रभारी श्री योगेश कुमावत, सहायक प्रभारी श्री भारत भूषण उपाध्याय व अन्य समस्त प्राध्यापक व कर्मचारियों ने शिविर का निरीक्षण किया एवं विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण प्रकार की जानकारियां प्रदान की।

शिविर के दौरान स्काउट ट्रेकिंग के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा भी की गई। प्राचार्य डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा ने शिविर में विद्यार्थियों को विभिन्न जनजातीय समूह के नाम पर विभाजन को समझाया। इसके अंतर्गत कालबेलिया, गरासिया, डामोर, सहरिया आदि समूह के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही विभागाध्यक्ष महोदय डॉ. एम.के. सिंह जी ने समूहों को मिलने वाली ग्रेडिंग के बारे में बताया। शिविर प्रभारी श्री योगेश कुमावत ने शिविर के सफल आयोजन हेतु प्रेरित किया एवं कैंप फायर की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि प्रत्येक दिवस पर अलग–अलग प्रकार की क्रियाओं का आयोजन किया गया। साहित्यिक व सांस्कृतिक जानकारियां व क्रियाएं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई।

अंत में प्राध्यापक श्री नेनाराम ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा संकाय के प्राध्यापक श्री विनय कुमार भट्ट, बी.बी. उपाध्याय व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रकृति अध्ययन शिविर

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर द्वारा नेशनल ग्रीन कोर के तत्वावधान में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय से प्रकृति चेतना एवं ऊर्जा संरक्षण रैली का आयोजन किया गया जो सांवली रोड होते हुए स्मृति वन पहुंची। स्मृति वन में स्काउट गाइड व इको क्लब सदस्यों द्वारा वहां की वनस्पति और पेड़ पौधों का अध्ययन किया व जानकारी प्राप्त की। उसके बाद वहां पर लगी हुई पर्यावरणीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। विभिन्न प्रजाति, जैवविविधता एवं पौधों के बारे में जानकारी, जीव जंतुओं के बारे में जानकारी, पौधों के अंग्रेजी, संस्कृत, वानस्पतिक नाम एवं नाम राशियों के अनुसार पौधों के नाम जाने। पौधों का जैवविविधता के साथ विशेष महत्व के बारे मे बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर एवं देवीलाल जाट ने प्रदर्शनी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षित करने के बारे में समझाया।

तत्पश्चात जन चेतना रैली निकालते हुए स्काउट गाइड मुख्यालय पर स्काउट गाइड नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब सदस्य पहुंचे। जिला मुख्यालय पर ऊर्जा संरक्षण के बारे में प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड ने जानकारी प्रदान की।

सभी इको क्लब सदस्यों को जिला मुख्यालय सीकर की ओर से पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक–एक टी शर्ट, पी–कैप, पानी की बोतल, कॉपी पेन सहित अनेक वस्तुएं किट के रूप में प्रदान की गई। मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर, मरुधर ओपन रोवर क्रू लीडर एवं क्वार्टर मास्टर, स्काउट, स्काउट मास्टर देवेश कुमार लाटा, प्रभारी, रोवर लखन कुमार, रेंजर लीडर निर्मला माथुर सहित इको क्लब के सदस्य, स्काउट व रेंजर उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा व पोषण दिवस

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमंद द्वारा संचालित नेशनल ग्रीन कोर के इको क्लब सदस्यों, स्काउट गाइड रोवर रेंजर व स्काउटर गाइडर ने जन चेतना रैली निकाल कर आमजन को स्वच्छता के महत्व को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य किया। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि नेशनल ग्रीन कोर के अन्तर्गत स्थानीय संघ राजसमंद को दी गई गतिविधि स्वच्छता पखवाड़ा व पोषण दिवस कार्यक्रम के तहत जन चेतना रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, नारा–लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता की अलख जगाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल जे.के. ग्राम कांकरोली के प्राचार्य संजय अभिषेक ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सुभाष वशिष्ट मैनेजर एडमिनिस्ट्रेशन सी.एस.आर. जे.के. टायर इण्डस्ट्रीज कांकरोली थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं भामाशाह महेश वर्मा, सी.ओ. गाइड जिला मुख्यालय राजसमंद की अभिलाषा मिश्रा थी। सर्वप्रथम अतिथि महानुभावों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। अतिथि महानुभावों को अभिलाषा मिश्रा, मितेश जोशी, मीना शर्मा व धर्मेन्द्र गुर्जर ने परसादी, इकलाई व प्रतीक चिहन देकर स्वागत अभिनन्दन किया।

सी.ओ.गाइड अभिलाषा मिश्रा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने आस पास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखें एवं स्वच्छता के प्रति लोगों में जन जागरण का संदेश फैलाएं। स्वच्छता पखवाड़ा एवं पोषण शिविर कार्यक्रम लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल के प्रांगण में किया गया। जे.के. स्कूल के स्काउट मास्टर मितेश जोशी ने बताया कि स्काउट गाइड ने जन–जागृति रैली विद्यालय प्रांगण से निकालते हुए श्रमिक कॉलोनी, मनोरंजन केन्द्र, जेके औषधालय के पास होती हुई रेलवे क्रोसिंग को पार करते हुए ऑफीसर कॉलोनी में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहां पर स्काउट गाइड ने स्वच्छता कार्य भी किया। रैली में स्काउट गाइड हाथों में बेनर व नारे लिखी हुई तख्तियां लेकर उनका उद्घोष करते हुए चल रहे थे। रैली को प्राचार्य संजय अभिषेक, सुभाष वशिष्ठ, महेश वर्मा व अभिलाषा मिश्रा ने हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड ने पोस्टर, निबन्ध एवं नारा लेखन प्रतियोगिता में भी भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले स्काउट गाइड को अतिथियों के हाथों प्रशंसा–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में दिव्या सदनानी एल.पी.एस. प्रथम, प्रियांशी खिची बाल निकेतन गांधी सेवा सदन कांकरोली द्वितीय एवं काव्या सनाढ्य व चिन्मय अजमेरा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। नारा लेखन प्रतियोगिता में कोमल राउमावि भाटोली ने प्रथम, भव्य बोहरा एलपीएस ने द्वितीय व निबन्ध प्रतियोगिता में जया पारीख बाल निकेतन गांधी सेवा सदन कांकरोली ने प्रथम, कृष्णा बैरवा राउमावि भाटोली ने द्वितीय व मासूम राव एलपीएस स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमड़ी, राउमावि भाटोली, गांधी सेवा सदन, लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल कांकरोली के स्काउट गाइड स्काउटर गाइडर, राजकीय महाविद्यालय राजसमंद व राजकीय महाविद्यालय देवगढ़ के रोवर रेंजर ने सहभागिता की।

CELEBRATIONS DAYS : MAY-JUNE, 2024

15 May	:	World Family Day
18 May	:	International Museum Day
22 May	:	International Day for Biological Diversity
30 May	:	Hindi Journalism Day
31 May	:	World No-Smoking Day
05 June	:	World Environment Day
14 June	:	World Blood-donation Day
21 June	:	International Yoga Day
26 June	:	International Day Against Drug Abuse

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

“अन्धकार को क्यों धिक्कारें, बेहतर है एक दीप जलाएँ”

आत्मावलोकन, आत्मावलोचन, आत्म निरीक्षण हमारी समृद्ध भारतीय परम्परा एवं जीवन्त जीवन पद्धति की परम् कसौटी रहे हैं। जीवन–यात्रा की पथरीली राहें सदैव, सतत् हमें अवसर उपलब्ध कराती है, साक्षात् कराती हैं – स्वयं को जानने की, स्वयं को परखने की।

भारतीय साहित्य में एक प्रेरक बोध कथा आती है। परमपिता जगत स्रष्टा ब्रह्मा सृष्टि की रचना उपरांत अत्यन्त दुःखी हो जाते हैं एवं मानते हैं कि सम्पूर्ण चराचर जगत में जिसे सर्वश्रेष्ठ प्राणी, जीव बनाया था, वह मनुष्य सदैव आत्महीनता, शिकायतों से ग्रस्त ही रहता है, कभी भी जीवन के उजले पक्ष को अंगीकार कर प्रसन्न नहीं रह पाता, जीवन के प्रति अनुग्रह भाव नहीं रख पाता। ब्रह्मा ऐसे परम् दुःखी, शिकायतों से आकंठ डूबे मनुष्य से अपने आपको बचाने की कोशिश करते हैं। वह कहीं भी नहीं छिप पाते क्योंकि मनुष्य की बौद्धिक क्षमता, विकास की अद्भुत क्षमता से सृष्टि का कोई भी क्षेत्र निरापद नहीं रहता। ऐसी स्थिति में अनुभवी देवता ब्रह्मा को राय देते है, “आप मनुष्य के अंतस् में छिप जाएँ, वह आपको जीवन भर नहीं, ढूंढ पाएगा, क्योंकि मनुष्य सदैव खुशी, प्रसन्नता, ऐश्वर्य को बाहर ही ढूंढता रहता है, अपने भीतर कभी नहीं खोजता। अपने आप को खोजना, अपना दीपक खुद बनना– ”अप्पो दीप्पो भवः” परम् मूल्य है क्योंकि समस्त जागतिक प्रकाश कभी न कभी नष्ट हो सकते हैं, स्वयं का प्रकाश स्वयंभू है, अजर है, अमर है। कबीर ठीक ही कहते हैं,

“मोको कहाँ ढूंढे रे बन्दे
मैं तो तेरे पास में
ना मैं मंदिर, ना मैं मसजिद,
ना काबे कैलास में,
खोजी हो तो तुरत ही मिले,
पल भर की तलास में।”

और, हमारा अहो भाग्य, अपने को जानने का यह सुअवसर 54वीं रोवर मूट ने मयस्सर कराया।

राहें आलोकित करता पर्व (चुनौतीपूर्ण आयोजन) –

शताब्दी वय का संगठन, विद्यालयी स्तर में श्रेष्ठ प्रदर्शन किंतु महाविद्यालयी स्तर वाले संवर्ग में लगभग मृतप्राय संगठन, मात्र दो माह से भी कम अवधि, राज्य स्तरीय आयोजन की चुनौती, खेवनहार (रोवर/रेंजर लीडर) लगभग अप्रशिक्षित, सदैव शंकाग्रस्त, हो ही नहीं सकता, यदि, किंतु, परन्तु, लेकिन, इत्यादि..

ब्रह्मास्त्रों से तैनात, आधारभूत रोवर/रेंजर दिग्भ्रमित, आँधी और तूफान को मोड़ने की क्षमता किंतु बिना सार्थक फल एक कदम भी न उठाने की कसम खाने वाले युवक–युवतियाँ जिनके सामने कैरियर, भौतिकता की अन्धी आपाधापी वाली दुनिया, युवा मन के अनगिनत स्वर्णिम सपनें, वर्तमान से त्रस्त, भयग्रस्त, मोहभंग, विद्रोह आदि से अधाए को एक सार्थक दिशा हेतु, समाज सेवा, राष्ट्र सेवा, अनुशासन जैसे Outdated मूल्यों की धारा में जोड़ना, संभवतया राम के समक्ष रावण, कृष्ण सम्मुख महाभारत, युधिष्ठिर समक्ष यक्ष प्रश्न से भी बड़ा युद्ध था।

किन्तु प्रतिबद्धता जीविका प्रति, प्रतिबद्धता, स्वयं प्रति, कठोर अडिग संकल्प, दूरदर्शिता, श्रेष्ठ नियोजन, श्रेष्ठ क्रियान्वयन, परस्पर 'साथी हाथ बढ़ाना साथियों' का मूल मंत्र, जीवटता, सदैव परिष्कार हेतु स्वयं को तत्पर रहने की भावना वे अस्त्र–शस्त्र रहे जिनके आसरे यह परम अपूर्व युद्ध न केवल लड़ा गया, अपितु अनपेक्षित रूप से विजीत भी किया गया। मूल्यों के संघर्ष में सनातन सद्गुणों, श्रेयस् मूल्यों की विजय हेतु सभी आत्मन्, जीव तत्त्वों की ओर से सभी को कोटिशः साधुवाद ....

तिमिर को हरते नन्हें दिये, जो भावी रोशनी की जगाते है आस (मूट–मीट के सबल पहलू)

(1) मात्र दो मास से भी कम समय में चुनौतीपूर्ण आयोजन की सफलतम क्रियान्विति।

(2) लगभग तीन सहस्र युवा शक्ति को एक उद्देश्य निष्ट कार्यक्रम में अहिर्निश सक्रिय रखना एवं संगठन के मूल मंत्रों की ओर अभिमुख करना।

(3) ”ज्ञान दूर कुछ क्रिया भिन्न, इच्छा क्यों पूरी हो मन की, को अंगीकार कर इच्छा, ज्ञान एवं कर्म का अद्भुत समन्वय।

(4) युग की परम् चुनौती 'कैरियर' जो लक्ष्यीभूत राष्ट्र के प्रमुख कर्मठ, सच्चे समाज सेवकों से युवाओं को रूबरू कराने का प्रयास।

(5) एक संध्या राष्ट्रभक्तों के नाम, पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा भारतीयता का पोषण।

(6) रोवर, रेंजर, लीडर, संगठन, प्रशासन का अद्भुत संयोजन जिससे समष्टि भाव जागृत।

(7) युवाओं को वह दृष्टि प्राप्त जिनकी उन्हें बरसों से तलाश।

(8) पूर्ण आशंकाओं से धनीभूत वातावरण में आयोजन की श्रेष्ठतम ऐतिहासिक क्रियान्विति से मूल्यों की स्थापना, जीवटता, संकल्प की जीत से डिगते–डगमगाते युवाओं की मूल्यों के प्रति पुनः प्रतिष्ठा, आस्था जागृत होना।

(9) बेटी बचाओ, राष्ट्र बचाओ, आदि राष्ट्रीय मूल्य परक शिक्षा विभिन्न सृजनात्मक माध्यमों से प्रदान।

(10) अन्तर्निहित क्षमताओं के पूर्ण प्रगटीकरण हेतु अपेक्षित चुनौतीपूर्ण माहौल उपलब्ध कराना।

शेष पृष्ठ सं. 24 पर

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, नागौर के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालास गुसाईयाँ में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन इस वर्ष की थीम 'प्लेनेट वर्सेज प्लास्टिक' के आधार पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान श्री नटवरलाल डांगी द्वारा की गई। इस अवसर पर संस्था प्रधान द्वारा थीम के अनुसार हमारी धरती मां को हरी भरी व स्वस्थ बनाने के लिए

प्लास्टिक की वस्तुओं व प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग को पूर्णतः बंद करने के लिए कहा गया। इस अवसर पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता, वृक्षों की देखभाल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गाइड विभाग की छात्राओं ज्योति योगी, ज्योति जांगिड़, रौनक, काजल, आरती बेड़ा, परी व कियारा द्वारा एक लघु नाटिका द्वारा हमारे लिए पौधारोपण व वृक्षों के महत्व को बताया गया। छात्राओं के साथ विद्यालय के स्टाफ भौरीलाल मीणा तथा विशेष शिक्षक सलोनी गोदारा ने लघु नाटिका में अपनी विशेष भूमिका निभाकर बालिकाओं को प्रोत्साहित किया। संस्था प्रधान द्वारा कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गाइडर डॉ. पूजा शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रधान श्री नटवरलाल डांगी, गाइडर डॉ. पूजा शर्मा, हेमलता मीना, संदीप सोनी, उदय स्वामी, भौंरीलाल मीना कविता बाई मीना तथा सलोनी गोदारा उपस्थित थे।

- भीलवाड़ा जिले में 22 अप्रेल विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर एवं कुडोस किड्स स्कूल, गायत्री नगर के स्काउट गाइड को इको पार्क हमीरगढ़ भ्रमण हेतु प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी, सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी, वनपाल सी.पी. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बस से रवाना किया। स्काउट गाइड ने गाइड कैप्टिन मधुबाला यादव, संगीता व्यास के नेतृत्व में इको पार्क का भ्रमण कर वनों के महत्व को समझा तथा पोस्टर

प्रतियोगिताओं के माध्यम से पृथ्वी बचाने के अपने संकल्प को दोहराया। वन विभाग एसीएफ राममोहन मीणा, देव कृष्ण दरोगा, इंचार्ज वनपाल हरिशंकर बिश्नोई, भगवान लाल अहीर, योगेंद्र सिंह, मथुरा जाट, भोना गुर्जर, वंदना शर्मा, ज्योति शर्मा ने जंगलों के बारे में विस्तार से बताते हुए वन्य जीवों के संरक्षण, वनों के संरक्षण एवं पृथ्वी के संरक्षण करने का सभी स्काउट गाइड को संकल्प दिलाया। इस अवसर पर अंजना शर्मा, जया मोतियानी, दुर्गा राणावत, टोनिया कंवर, हंसा शर्मा आदि उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, नागौर के तत्वावधान में जोधियासी स्थित सेठ मेहताबचंद फूसराज लुणावत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में विश्व

स्वास्थ्य दिवस 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' थीम के तहत पोषण कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. संजय कुमावत ने बताया कि स्थानीय राजकीय चिकित्सालय की एएनएम अनिता द्वारा बालिकाओं को शिक्षा एवं सूचना के साथ एनीमिया, सुरक्षित पेयजल व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी जानकारी प्रदान की गई। गाइडर सुमन बाला शारीरिक शिक्षिका के निर्देशन में जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर गायत्री सोनी, बैगनाथ सिद्ध, नरेश पोटलिया, महावीर प्रसाद, मोइनुद्दीन गौरी सहित स्टाफ मौजूद रहा।

भरतपुर

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में 7 अप्रेल 2024 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के

अवसर पर जिला भरतपुर के स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स द्वारा आरबीएम हॉस्पीटल, भरतपुर में सभी मरीजों को फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में महारानी श्री जया महाविद्यालय, भरतपुर के

प्रांगण में भारतरत्न डा. भीमराव अम्बेडकर जी की 133 वीं जयंती के अवसर पर राजस्थान पत्रिका के पक्षी मित्र अभियान के तहत परिंडे लगाने का कार्यक्रम भगतसिंह पार्क में आयोजित किया गया। इसके पश्चात महारानी श्री जया पार्क मन्दिर आदि स्थानों पर परिन्डे लगाये गये।

- जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) भरतपुर डॉ. अमित यादव के निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव–2024 में अधिक से

अधिक मतदान के उद्देश्य से स्वीप गतिविधि के अन्तर्गत 12 अप्रेल को 'वोट बारात' कुम्हेर गेट चौराहा से शुरू होकर लक्ष्मण मंदिर चौक होते हुए बिजली घर चौराहा से सारस चौराहा राज पैलेस तक निकाली गई। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स द्वारा इस कार्यक्रम का सफल आयोजन करवाने में सहयोग किया गया।

- विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली की ओर से मूक पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हेतु परिंडे लगाये गए, जिसका उद्घाटन जिला कलक्टर नीलाभ सक्सैना एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने अपने–अपने निवास पर परिण्डे लगाकर

किया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजस्थान प्रदेश में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड की ओर से पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हेतु परिंडा अभियान की शुरुआत की जाती है। इसी श्रृंखला में करौली में पक्षियों के लिए परिंडा अभियान प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने सी.ओ. स्काउट करौली से परिंडा अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं इस कार्य को पुनीत कार्य बताते हुए अधिक से अधिक परिंडे लगाने की अपील की। उन्होंने स्वयं अपनी ओर से भी परिंडा अभियान में आर्थिक सहयोग दिया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने अपने निवास पर परिंडा लगाया एवं आमजन से अपील की कि ग्रीष्म ऋतु में जहां पक्षियों को दाना पानी का अभाव हो जाता है ऐसी स्थिति में बहुत से पक्षी मर जाते हैं। उनके लिए दाना एवं पानी की व्यवस्था हो जाए तो यह उनके लिए पुनीत कार्य होता है। उन्होंने आम जन से अपील की कि अपने–अपने घर पर एक–एक परिंडा अवश्य लगाए। परिंडा अभियान के उद्घाटन अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा, सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत, स्काउट मास्टर ब्रजकिशोर भारद्वाज, गणेश चंद शर्मा, शशिकांत कुंबज, राज्य पुरस्कार रोवर लव कुश, मंगल, मदन गोपाल शर्मा, श्यामू सेन, अभिषेक भारद्वाज, राज्य पुरस्कार गाइड कोमल चौधरी, कीर्ति सोनी आदि उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के स्काउट

गाइड ने 20 अप्रेल 2024 को लोकसभा आम चुनाव में मतदान बूथ पर दिव्यांग एवं वृद्ध जन मतदाताओं को सहयोग प्रदान कर मतदान कराया। इससे दिव्यांग एवं वृद्ध जन मतदाता अत्यंत प्रसन्न नजर आए एवं स्काउट गाइड को उनकी सेवाओं के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की लोकसभा आम चुनाव में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक मतदान बूथ पर दो–दो स्काउट गाइड वॉलंटियर को नियुक्त किया गया।

जिले में कुल 2086 स्काउट गाइड वालंटियर ने मतदान बूथ पर दिव्यांग एवं वृद्धजन मतदाताओं को सहयोग प्रदान किया। स्काउट गाइड ने वृद्ध जन को सहारा प्रदान किया, कहीं–कहीं तो गोद में उठाकर मतदान कक्ष तक ले जाकर मतदान कराया। कहीं कंधे का सहारा प्रदान किया एवं दिव्यांग मतदाताओं को व्हील चेयर से मतदान कक्ष तक ले जाकर मतदान कराया। सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत के अनुसार जिले में कुल 1043 मतदान बूथ बनाए गए थे जिन पर कुल 2086 स्काउट गाइड वालंटियर नियुक्त किए गए। कई दिव्यांग मतदाताओं को घर–घर से लाकर भी स्काउट गाइड ने मतदान में सहयोग किया।

बीकानेर

- भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में मंडल मुख्यालय परिसर में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। सी.ओ. स्काउट जसवंत सिंह राजपुरोहित

के अनुसार बीकानेर के ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल रामपुरा बस्ती, आरपीएस स्कूल, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, राजकीय फोर्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय आदि के स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से पृथ्वी को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का संदेश दिया। स्काउट मास्टर श्रीवल्लभ पुरोहित ने स्काउट की पीठ पर पृथ्वी का चित्र बनाते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु प्रेरित किया।

पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर ओमप्रकाश भार्गव, सी.ओ. गाइड ज्योतिरानी महात्मा ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में स्काउट गाइड ने वृक्षारोपण भी किया। स्काउट मास्टर मुकेश कुमार, हर्षित स्वामी, गाइड कैप्टन महजबीन आदि ने कार्यक्रम आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

- भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्री विजयनगर में अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पोस्टर बनाना, परिंडे बांधना, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण और रिसाइक्लिंग, पर्यावरण सुरक्षा, पानी को बेवजह बहने से रोकना, पृथ्वी की सुरक्षा और संरक्षण की शपथ लेना,

पेड़–पौधें लगाना (उनकी देखभाल करना) आदि विषयों पर चर्चा व गतिविधियां की गई। पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गए। इस अवसर पर प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर श्रीमती रेणु लमोरिया, स्थानीय संघ के सचिव चंद्रपाल रोलण, स्काउट मास्टर श्योपत राठौड़, विद्यालय स्टाफ व गाइड्स भी उपस्थित हुए।

जयपुर

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के निर्देशानुसार 7 अप्रेल 2024 को विश्व स्वास्थ्य दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। सीकर में राजकीय बी.आर. अंबेडकर बालक छात्रावास सीकर में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्काउट्स ने भाग लिया। स्काउट हेमंत अलवारिया, बॉबी मीणा, कवि ओम अलवारिया, पीयूष मीणा, गोलू मीणा, सुमित गढ़वाल, मनीष पारीक, बलवंत सिंह, उदय

सिंह, बबलू वर्मा, अभिराज गोरा ने पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संगोष्ठी के माध्यम से स्काउट मास्टर ओमप्रकाश रेगर ने बताया कि स्वास्थ्य के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक रहना चाहिए। स्काउटस ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही जिले के विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए संगोष्ठी, नारा लेखन, पोस्टर, भाषण क्विज, कविता, गीत, नाटक आदि प्रस्तुत किए गए। स्काउट गाइड रोवर रेंजर सदस्यों ने कच्ची बस्ती में बालक बालिकाओं को स्वच्छ रहने के तरीके यथा नाखून काटना, प्रतिदिन स्नान करना, कचरा प्रबंधन, साफ सुथरा रहना, पानी ढककर रखना, पानी पीने के लिए डंडीदार लौटे का उपयोग करना सहित अनेक जानकारियां प्रदान की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के स्तर पर 72 इको क्लब में लगभग 3664 इको क्लब सदस्यों स्काउट गाइड रोवर, रेंजर स्काउट गाइड प्रभारियो ने पृथ्वी दिवस मनाया। जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सीकर पर बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट, देवीलाल जाट सहायक सचिव एवं सहायक इको क्लब प्रभारी के नेतृत्व में परिण्डे लगाएं,

श्रमदान किया, पृथ्वी को बचाने का संकल्प लिया, स्मृति वन में प्रकृति का अवलोकन किया व पर्यावरण प्रदर्शनी को देखा। स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पर हैंगिंग गार्डन लगाया, पक्षियों के लिए घोंसले लगाए, वन विभाग की नर्सरी का अवलोकन किया व अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्काउट गाइड ग्रुप एवं इको क्लब महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय जाजोद, ज्ञानदेव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल राधाकिशनपुरा सीकर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिपलाटा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर नारायण का बास, राजकीय सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लक्ष्मणगढ़, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भोजासर बड़ा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय काछवा, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय होद, सविता सीनियर सेकेंडरी स्कूल भगेगा, महात्मा गांधी विद्यालय पालवास, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोवर्धनपुरा, राजकीय एचआर रुइया उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगढ़ शेखावाटी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रुल्यानी, सरस्वती स्कूल नीम का थाना, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय थोई, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्कूल डेहरा जोहड़ी, प्रिंस शि.स.फतेहपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरगोठ, राजकीय उच्च माध्यमिक रामपुरा थोई, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुहाला में नारा लेखन, पौधारोपण, पोस्टर बनाना, मटकों पर पेंटिंग, पक्षियों के लिए घोसला लगाने सहित सहित अनेक कार्यक्रमों व विभिन्न पृथ्वी बचाओ जीवन बचाओ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव के अवसर पर जिला सीकर में नीमकाथाना क्षेत्र में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर व नीमकाथाना के तत्वावधान में दिव्यांग एवं वृद्ध जनों की सेवार्थ जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सेवा शिविर लगाए गए। 2000 से अधिक बूथ पर स्थानीय संघ दांता, धोद, फतेहपुर, खंडेला, खूड, लक्ष्मणगढ़, पाटन, नीम का थाना, पलसाना, रींगस, सीकर, शिवसिंहपुरा, श्रीमाधोपुर, अजीतगढ़, रामगढ़ शेखावाटी, खाटू

श्यामजी, थोई, शिशु रानोली के 5000 से अधिक स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर्स एवं शिक्षा अधिकारी, कब मास्टर, स्काउट मास्टर, सहायक सचिव, सचिव एवं अन्य पदाधिकारियों, संस्था प्रधानों, के नेतृत्व में प्रातः 7 बजे से सायंकाल 7 बजे तक

सेवाएं प्रदान कर लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर जल सेवा, वोटर्स को कतार में लगाना, आवश्यक बूथ संबंधी जानकारी प्रदान करना, वृद्ध जनों व दिव्यांग जनों को मतदान केंद्र पर ट्राई साइकिल से लाना एवं उनका सहयोग करके मतदान करवाना, उनको विश्राम कराना, उनकी जल सेवा, साथ ही बीएलओ एवं पीठासीन अधिकारी द्वारा बताए गए कार्य को पूर्ण करने का कार्य किया गया। जिला प्रशासन एवं मतदान दल के अधिकारियों ने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, शिवसिंहपुरा एवं सीकर के द्वारा पक्षियों के लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पिपराली

के प्रांगण में परिंडे लगाकर इस कार्य को शुरू किया गया। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुमन चौधरी, सचिव शिवसिंहपुरा किशनलाल सियाक, स्थानीय संघ सीकर सचिव महेंद्र कुमार पारीक, सहायक सचिव देवीलाल चौधरी, स्काउट मास्टर ओमप्रकाश रेगर, रोवर लखन, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के रवि जोशी, भगत सिंह, अशोक कुमार मुंड, अरुण महला, प्रधानाचार्य महेंद्र सिंह शेखावत, दिनेश पुरोहित सहित पिपराली ब्लॉक के समस्त पीईईओ उपस्थित रहे। स्काउट गाइड सदस्यों के द्वारा समस्त वाक पीठ के प्रधानाचार्यों से संपूर्ण ब्लॉक के विद्यालयों में परिण्डे लगाने हेतु आह्वान किया गया। स्काउट गाइड सदस्य पशु सेवा पक्षी सेवा वृक्ष सेवा एवं मनुष्य जल सेवा प्रतिवर्ष ग्रीष्मावकाश के दौरान करते रहे हैं।

जोधपुर

- जोधपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रोहिचा खुर्द में 22 अप्रेल 2024 को पृथ्वी दिवस मनाया गया। उसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की गई, जिसमें विद्यालय की गाइड एवं बुलबुल सहित सभी छात्र–छात्राओं ने भी वृक्षारोपण का कार्य, विद्यालय प्रांगण की सफाई का कार्य एवं पौधों में पानी पिलाया गया। पृथ्वी दिवस के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने पोस्टर बनाएं और धरती को किस प्रकार से हरा भरा व

सुरक्षित रखा जा सके, को चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के स्टाफ सीमा बांदा, पायल चौहान, रमिला शर्मा, लीला देवी, टीना कुमारी, प्रिया, भूपेंद्र सिंह, राकेश शर्मा, अब्दुल रहमान ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन गाइड कैप्टन शशि शर्मा के निर्देशन में करवाया गया। शशि शर्मा ने सभी स्टाफ सदस्यों एवं बच्चों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस पर स्काउट गाइड जिला

मुख्यालय पर पक्षियों के लिए परिंडा बांधो अभियान का शुभारंभ सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने किया और इस अवसर पर निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर स्काउट गाइड और रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ गुंदोज (पाली) के तत्वावधान में लोकसभा चुनाव 2024 की स्वीप गतिविधियों के मध्यनजर मतदाताओ को मतदान करने के प्रति जागरूक करने के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुंदोज के स्काउट्स गाइड्स व विद्यार्थियों के द्वारा गुंदोज गांव में रैली का आयोजन किया गया। स्काउट सचिव बलवीर कुमार पारगी ने बताया कि मतदान जागरूकता रैली को प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर मनोज कुमार बोराना ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा रैली के माध्यम से हर घर में मतदान करने की अपील कर आमंत्रण पत्र दिए गए। इस

मौके पर मोहन लाल, प्रवीण कुमार त्रिवेदी, पीरा राम, भैरू सिंह चारण, पाबू राम, सवाई सिंह भाटी, लक्ष्य भाटी, श्वेता टांक, निर्मला, अनु राजपुरोहित, रितु चौहान, सुकान राज आदि रैली के साथ मौजुद रहे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, ट्रुप राउमावि सिलोर समदड़ी (बाड़मेर) में 22 अप्रेल को पृथ्वी दिवस पर पक्षियों के परिण्डे लगाए गये। इस अवसर पर महावीर सिंह प्रधानाचार्य ने

परिण्डे में पानी डालकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर श्री महावीर सिंह, चुन्नीलाल मीणा सहायक लीडर ट्रेनर, खेमराज दवे स्काउटर, कुन्दन लाल चौधरी, भीमाराम शारीरिक शिक्षक, श्रवण कुमार वरिष्ठ अध्यापक, ओमाराम भाटी, परमजीत सिंह, चेनाराम, मधु परिहार, सुआ चौधरी, धीरज मेडम, कैलाश चन्द्र व्यास, जितेन्द्र भाटी वरिष्ठ लिपिक आदि मौजूद रहे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, नाना (पाली) के तत्वावधान में पृथ्वी दिवस के अवसर पर मूक पक्षियों के लिए

पानी के परिण्डे एवं चुग्गा पात्र लगाए गए। सचिव गजेंद्र सिंह चौहान ने बताया की हर वर्ष की भांति इस बार भी पृथ्वी दिवस पर पक्षियों के लिए परिण्डा अभियान की शुरुआत की गई। स्थानीय संघ नाना के अधीनस्थ सभी विद्यालयों में यह अभियान शुरू किया गया। इस अवसर पर नाथा राम गरासिया, कल्याण सिंह देवड़ा, भीमा राम गरासिया, चंदन, मीठा लाल, स्काउट प्रभारी दीपक, गाइड प्रभारी बीनू पारीक, सुनीता, भरत, विक्रम, एवं सभी स्काउट उपस्थित रहे।

कोटा

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला बारां के तत्वावधान में पृथ्वी दिवस के अवसर पर सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जलवाड़ा में स्काउट गाइड एवं अन्य छात्र–छात्राओं के साथ पृथ्वी दिवस धूमधाम

से मनाया गया। इस अवसर पर स्काउट गाइड एवं छात्र–छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से भू संरक्षण, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण के पोस्टर बनाकर संदेश प्रदान किया। प्रतियोगिता के उपरांत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जलवाड़ा विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य ऋषिपाल सिंह गुर्जर, स्थानीय संघ सचिव ब्रजगोविंद टेलर, विद्यालय के सभी अध्यापक गण, स्काउट गाइड एवं छात्र–छात्राओं ने भाग लेकर भू संरक्षण, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर श्री चित्तौड़ा ने सभी को भू संरक्षण एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाई। स्थानीय संघ सचिव ब्रज गोविंद टेलर ने संगोष्ठी में मानव सेवा एवं पशु पक्षियों की सेवा करने का संकल्प दिलाते हुए स्काउट गाइड के मुख्य उद्देश्य सेवा करने का संकल्प दिलाया। संगोष्ठी के उपरांत स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने ग्रामवासियों को परिंडे वितरित कर अपने–अपने घर पर परिण्डे बांधकर पशु पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करने हेतु पाबंद किया। स्काउट गाइड द्वारा ग्राम जलवाड़ा में रैली निकालकर बाजार में दुकानदारों को परिंडा वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्काउट मास्टर हनुमान सिंह द्वारा किया गया। रोवर स्काउट कुणाल कौशल, कमलेश मीना का कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग रहा।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला बारां के तत्वावधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर डॉ. शोभित शर्मा के सान्निध्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. शोभित शर्मा ने सभी बालक बालिकाओं को स्वस्थ रहने के लिए क्या–क्या

कर सकते हैं, के बारे में जानकारियां देते हुए स्काउट गाइड को आह्वान किया कि आम जनता को भी स्वस्थ रहने की जानकारियां प्रदान करने का दायित्व निभाते हुए सभी को स्वस्थ रहने का संदेश प्रदान करें। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने जिले के सभी स्काउट गाइड को स्वस्थ रहने हेतु बी.पी. के छह व्यायाम एवं योग करने का संदेश देते हुए हमेशा स्वस्थ रहने की बात कही। सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने सभी बालक बालिकाओं को स्वस्थ रहते हुए समाज सेवा एवं देश सेवा की प्रेरणा प्रदान की। संगोष्ठी के उपरांत शहर में स्वच्छता कार्यक्रम एवं अस्पताल परिसर में मरीजों की सेवा एवं रैली के माध्यम से सभी को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वस्थ रहने का संदेश प्रदान किया। जिला हैडक्वार्टर कमिश्नर भैरव लाल वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीनियर रोवर कमलेश मीणा एवं विकास कुमार जाटव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उदयपुर

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के तत्वावधान में 22 अप्रेल ''पृथ्वी दिवस'' पर सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा द्वारा स्काउटर/गाइडर एवं रोवर रेन्जर के साथ पृथ्वी दिवस पर पक्षियों के लिये परिण्डे व चुग्गा पात्र लगाए गए। पौधों को पानी दिया गया एवं परिसर की साफ–सफाई भी की गई। इसके साथ ही रोवर रेन्जर ने शपथ ली कि हम अपने घर में भी पक्षियों के लिए परिण्डे व चुग्गा पात्र लगायेंगे और अपने घर एवं आसपास के पेड़–पौधों की देखभाल करेंगे। इसके साथ ही विद्यालय स्तर पर राबाउमावि आसोटिया, राउमावि एमडी, राउमावि भाटोली, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय चारभुजा, राउमावि मियाला, राउमावि सुन्दरचा, एस.आर.के. महाविद्यालय के साथ–साथ

अनेक विद्यालयों में पृथ्वी दिवस पर कई गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें पोस्टर मेकिंग, नारा लेखन, गमलों एवं ट्री गार्ड पर कलर, पौधारोपण एवं विद्यालय परिसर की साफ–सफाई आदि सेवा कार्य किए गये। इस अवसर पर जिला मुख्यालय के स्काउटर धर्मेन्द्र गुर्जर, प्रेमराज मीणा, गाइडर उर्मिला पुरोहित, निर्मला धोबी, सीनियर रोवर लोकेश, दर्शन, मधूसुदन, कुन्दन, श्वेता, मन्जु सम्मिलित हुए।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 133वीं जन्म जयंती के अवसर पर रोवर–रेंजर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में डॉ. अम्बेडकर की जीवनी एवं उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को भारतीय संविधान का सम्मान

करते हुए देश के विकास में अपना योगदान देने के लिये आह्वान किया। चन्द्रशंकर श्रीवास्तव ने बताया कि अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर श्री कालिका ज्ञान केन्द्र मा.वि. प्रतापनगर चित्तौड़गढ़ पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप गतिविधि के अन्तर्गत रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बाद कब–बुलबुल, स्काउट–गाइड व रोवर–रेंजर ने मीठारामजी का खेड़ा क्षेत्र के मीणा मोहल्ला, रेगर मोहल्ला एवं बैरवा मोहल्ला में मतदाता जन जागरूकता जनचेतना रैली निकाल कर मतदान का संदेश दिया। रैली के दौरान स्काउट गाइड ने घर जाकर लोगों को 26 अप्रेल 2024 को मतदान करने की

अपाल की। रैली को सर्कल ऑर्गेनाइजर स्काउट चन्द्रशंकर श्रीवास्तव ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विद्यालय संस्था प्रधान अखिलेश श्रीवास्तव, स्थानीय संघ चित्तौड़गढ़ सचिव पंकज दशोरा, पूर्व सचिव देवकी नन्दन वैष्णव, विद्यालय की गाइडर पूनम कंवर, भारती वर्मा, अनम, सविता, रोवर पवन माली, लोकेश जाट, राहुल मेघवाल, सूरज पासवान, रोनक लखारा, रिंकू खटीक, कपिल मेघवाल, रेंजर दिव्या मेनारिया, दिशा तेली, पायल ढोली, प्रियंका पंचोली, अनीता जाटव, विमीक्षा पुरोहित, विनिशा, दीपिका बंजारा, झूलन गाडरी, एकता पारीक, शिवानी जोशी, खुशबू मेघवाल, ममता गायरी, स्काउट भगत भूल, रिषभ खत्री उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ कुंभलगढ़ (राजसमंद) के स्काउट ट्रुप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली के स्काउट्स ने सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट व शारीरिक शिक्षक राकेश टॉक के नेतृत्व में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यशाला में 'हर घर परिंडा' अभियान की शुरुआत की गई। कार्यवाहक संस्था प्रधान उमेश कुमार ने विद्यालय के

स्काउट्स द्वारा वर्ष पर्यंत किये जा रहे पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों की प्रशंसा की व पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यशाला में पर्यावरण संबंधी जानकारी प्रदान करते हुए आगे भी इसी प्रकार से सेवा कार्य करते रहने के लिए स्काउट्स को प्रेरित किया।

सहायक लीडर ट्रेनर राकेश टॉक ने पृथ्वी दिवस 22 अप्रेल के अवसर पर सभी स्काउट्स को शपथ दिलाकर हर घर परिंडा अभियान की शुरुआत विद्यालय परिसर में परिंडा व चुग्गा पात्र लगाकर व वितरण कर की। प्रत्येक स्काउट को अपने अपने क्षेत्र में घर–घर जाकर लोगों को प्रेरित कर घरों पर मूक पक्षियों के लिए गर्मी को देखते हुए परिंडे व चुग्गा पात्र लगाने के लिए जन जागृति लाने का कार्य करने हेतु कहा। पुष्पा शर्मा ने स्काउट्स को बताया कि मूक पक्षियों के लिए गर्मी में अपने घरों पर अनुपयोगी मटकी, प्लास्टिक के डिब्बों, तेल के टिन व अन्य संसाधनों से परिंडे व चुग्गा पात्र बनवाकर लगवाएं तथा उनकी समय–समय पर साफ सफाई व नियमित पानी भरने के लिए सभी को प्रेरित किया। पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यशाला में विशाल कुमार, भगवती लाल आमेटा, गणेश लाल मेघवाल, विनोद कुमार प्रजापत, नानालाल भील, मानाराम भील व कमल लोहार उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के समीप स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी के स्काउट व गाइड ने लोकसभा चुनाव 2024 में दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं की सेवा की तैयारी की। पंचायत शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य राउमावि एमडी के भानु कुमार वैष्णव ने बताया कि लोकतंत्र के महापर्व 26 अप्रेल 2024 को होने वाले

लोकसभा आम चुनाव में एमडी पंचायत क्षेत्र के समस्त बुथों पर दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं की सेवा के लिये अपने आप को तैयार किया है। इन स्काउट गाइड को विद्यालय प्रांगण में मास्टर ट्रेनर धर्मेन्द्र गुर्जर एवं गाइडर सुमनलता लाहोटी व गाइडर निशा जांगिड़ ने प्रशिक्षण दिया। ये स्काउट गाइड 26 अप्रेल 2024 को दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं को व्हील चेयर से मेन गेट से बूथ तक लाने व ले जाने के साथ जल सेवा करना, मतदाताओं की कतार बनाना, आने वाले मतदाताओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करना आदि सेवाकार्य आचार संहिता की पालना करते हुए करेंगे। इन स्काउट को विभिन्न बूथों पर नियुक्त किया गया है। श्री वैष्णव ने बताया कि सभी स्काउट गाइड मतदान दिवस पर पूर्ण स्काउट गाइड गणवेश में सेवा देंगे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में भारत सरकार के वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की नेशनल ग्रीन कोर योजना अंतर्गत राजस्थान राज्य नशा मुक्त जन जागरूकता पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि जिले में इको क्लब विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में एक दिवसीय नशामुक्त अभियान के तहत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रेंजर स्नेहा पंचाल ने प्रथम स्थान, द्वितीय ज्योति हड़ात व तृतीय स्थान भारत परमार ने प्राप्त किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में जयेश परमार ने प्रथम स्थान, करिश्मा रोत ने द्वितीय, मोनिका ननोमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आशु भाषण में वृत्तिका साद ने प्रथम, रानू पटेल ने द्वितीय, खुशी साद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में सहायक लीडर ट्रेनर ललित कुमार बरण्डा, मक्सीराम फलेजा,

रोवर लीडर जीवतराम घाटिया, एडवेंचर प्रशिक्षक गोविन्द प्रजापत, गाइडर दीपशिखा गरासिया, सर्विस रोवर ललित कुमार डामोर, नरेन्द्र खांट ने अपनी सेवाएं दी।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर वरदान किड्स स्कूल, डूंगरपुर के कब बुलबुल स्काउट गाइड ने पौधारोपण कर विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया। निदेशक सौरभ जैन ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विद्यालय के नन्हें कब बुलबुल स्काउट गाइड द्वारा पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित कर विश्व स्वास्थ्य दिवस

मनाया। प्रधानाचार्य रश्मि जैन ने बताया कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ पर्यावरण आवश्यक है, वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए हम सबको अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करना चाहिए। इसके साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्रीनाथ कॉलेज, श्री भोगीलाल पण्डया राज.महाविद्यालय डूंगरपुर, राज नोबल कॉलेज, प्रगति कॉलेज के रोवर रेंजर ने सहभागिता कर पोस्टर के माध्यम से विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में जिला मुख्यालय डूंगरपुर पर नेशनल ग्रीन कोर योजना के तहत उर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, बालिका शिक्षा को लेकर स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में दौरान ज्ञायक कॉलेज, श्रीनाथ कॉलेज, एम.बी. महिला कॉलेज के रोवर रेंजर द्वारा

जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान रेंजर चेष्टा दर्जी ने 'जब से नारी पढ़ने लगी है, आगे बढ़ने लगी है', रेंजर वंशिका पंचाल ने 'शिक्षित नारी है वो आँख, जो रहती सदा जुर्म के खिलाफ', निनाद के माध्यम से बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम संचालक डॉ. ललित कुमार बरण्डा, प्रियंका कटारा, राधिका पाण्डोर, जीतराम घाटिया, राहुल डामोर उपस्थित रहें।

- डूंगरपुर के वरदान किड्स स्कूल में स्काउट गाइड द्वारा मतदाताओं को मतदान का महत्व बताया गया। निदेशक सौरभ जैन ने बताया कि नन्हें स्काउट गाइड कब बुलबुल को मतदान का महत्व बताने के साथ मतदान प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर मतदान पेटी बनाकर कब बुलबुल को वोट देने का तरीका सिखाया गया। उपस्थित सभी कब और बुलबुल ने अपना मतदान करते हुए मतपत्र को मतपेटी में डाला। प्रधानाचार्य रश्मि जैन ने बताया कि लोकतंत्र में मतदान का अत्यधिक महत्व होता है मतदान के

माध्यम से ही हम अपनी सरकार को चुनते हैं। देश के प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान करने का अधिकार होता है, इसलिए 18 वर्ष से ऊपर की आयु के प्रत्येक नागरिक को मतदान करना चाहिए। साथ ही नन्हें स्काउट गाइड ने जिले के सभी मतदाताओं से 26 अप्रेल को वोट अवश्य करने का अनुरोध किया। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि जिले के पंजीकृत दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के दिन घर से बूथ तक लाने व ले जाने के वाहन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर स्काउटर दीपक पाटीदार, ललित कुमार बरंडा उपस्थित रहें।

जल ही जीवन

सुरेश चन्द खटीक
उदयपुर

आज गुरूजी बिल्कुल शान्त बैठे थे, उनके चेहरे की लकीरें किसी गहरी चिन्ता को अभिव्यक्त कर रही थी। वे कहने लगे.... हे ईश्वर! तूने यह अमूल्य अमृत तुल्य जल सबको दिया था कि सृष्टि में कोई प्राणी प्यासा और अशुद्ध नहीं रहे। परन्तु तेरी सृष्टि के इस सर्वश्रेष्ठ प्राणी मनुष्य ने तो इसका दुरूपयोग कर ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि आने वाले समय में लोग प्रदूषित पानी पीने से या बिना पानी के ही मरेंगे।

हे राजाधिराज, परमपिता परमेश्वर! तेरे राज्य में यह कैसा न्याय है कि एक ओर लोग पानी के लिए तरस रहें हैं तो दूसरी ओर लोग पानी में किलोले कर उसका अत्यधिक दुरूपयोग कर रहें हैं। गुरूजी गम्भीर हो गये और कहते रहे कि संसार में आज प्रत्येक वस्तु की कमी के कारण मिलावट, जमाखोरी आदि दोष उत्पन्न होते जा रहे हैं। ईशोपनिषद के प्रथम मंत्र में ही ईश्वर ने यह संदेश दिया– तेन त्यक्तेन भूँजिथा।

सृष्टि में उपलब्ध ईश्वर प्रदत्त सामग्री को त्यागपूर्वक भोग करो। यदि सबके लिए तथा आवश्यकतानुसार वस्तु उपभोग हो तो किसी भी वस्तु की कमी नहीं हो सकती। एक तरफ अभाव पीड़ित हैं तो दूसरी और दुरूपयोग की स्थिति हममें लोभ, मोह के प्रभाव को दर्शाती है। उपर्युक्त मंत्र में ही दर्शाया गया है कि – मा गृधः कस्यस्विद्वनम।

ये सांसारिक पदार्थ किसी के नहीं। सब कुछ यहीं रहना फिर लोभी मनुष्य की तृष्णा कभी समाप्त नहीं होती। यही लालच की वृत्ति उसे नियम विरूद्ध चलने को प्रेरित करती है। हम सभी जानते है कि जल के बिना जीव का जीवन सम्भव नहीं है। क्या आप जानते हैं कि सम्पूर्ण पृथ्वी पर लगभग 1 अरब 46 करोड़ 1 लाख 6 हजार घन किमी पानी है। इसमें समुद्री जल 97.1 प्रतिशत, बर्फ एवं ग्लेशियर जल 1.5 प्रतिशत, भूजल 0.6 प्रतिशत, अंतरिक्ष में फैले जलकण के रूप में 0.7 प्रतिशत, नदियों में 0.1 प्रतिशत पानी बहता है। इनमें बर्फ एवं ग्लेशियर के पिघलने से नदियों में आने वाला भूजल, अंतरिक्ष जलकण के रूप में तथा नदियों में उपलब्ध कुल 2.9 प्रतिशत पानी ही पीने व खेती के उपयोग में लिया जाता है। अधिकांश समुद्री जल मानव के लिए उपयोगी नहीं हैं क्योंकि इसमें नमक की मात्रा अधिक है। इतना कहकर गुरूजी एकाएक चुप हो गये।

चिन्तामग्न हो अपनी बात जारी रखते हुए गुरूजी कहने लगे कि सम्पूर्ण पृथ्वी के क्षेत्रफल का केवल 2.5 प्रतिशत भूभागीय क्षेत्रफल ही भारत के पास है, जिसमें निवास करने वाली जनसंख्या विश्व जनसंख्या का 17 प्रतिशत से अधिक है। अनुमान लगायें कि 2.5 प्रतिशत भूभागीय क्षेत्रफल पर निवास करने वाले 17 प्रतिशत से अधिक लोगों के हिस्से में कितना पानी आता होगा। गुरूजी की आंखें छलछला आयी। पुनः अपनी बात को आगे बढाते हुए कहने लगे कि वेदों में जल को देवता माना गया है। महर्षि दयानन्द सरस्वती ने ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका में संसार के समस्त पदार्थों का बीज जल को माना है। ऋग्वेद एवं अथर्वेद के मंत्रों में जल को माता पिता एवं देवतादि मानकर उनकी पूजा अर्थात उन्हें सर्वशुद्ध रखने के आदेश दिये गये हैं। चाणक्य नीति में भी जल शुद्धि एवं उसके सदुपयोग का वर्णन आता है। ऐसा अमूल्य जल जिस पर हमारा सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं जीवन टिका हुआ है, उसके दुरूपयोग पर नियन्त्रण हेतु अब भी हम सकारात्मक कदम नहीं उठा पायें है। हमारे देश में अंधविश्वासों ने तो हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। हमारी स्थिति उस लकड़हारे जैसी है जो जिस डाल पर बैठा है, कुल्हाड़ी से उसी को दनादन काट रहा है।

परिणाम तो स्पष्ट है। अंधविश्वासों ने हमारे तन, मन, वातावरण, जल, थल, आसमान आदि सबको दूषित कर डाला है। प्रदूषणमुक्त करने के अभियान का आगाज करना पड़ रहा है। सर्वश्रेष्ठ प्राणी मनुष्य अपने अस्तित्व के लिए स्वयं ही खतरा बनता जा रहा है। है ना विचित्र बात।

राघव ने पूछा कि जल अपव्यय किस प्रकार हो रहा है गुरूजी ?

गुरूजी शान्त मन से स्थिर हो कर कहने लगे, वत्स! हम पानी का अपव्यय प्रति परिवार प्रतिदिन नल खुला रख कर दंतमंजन करने से 10 लीटर, शौचालय में 15 लीटर, टपकते नल द्वारा 25 लीटर, खुले

शेष पृष्ठ सं. 21 पर

हमारे महापुरुष

गोपाल कृष्ण गोखले

स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, विचारक एवं सुधारक

जब गोखले तीसरी कक्षा के छात्र थे, तब एक ऐसी घटना घटी जिसने उन्हें पूरे स्कूल का चहेता और सम्मानीय बना दिया। घटना इस प्रकार थी–

गोपाल कृष्ण गोखले तीसरी कक्षा के छात्र थे। गणित के अध्यापक ने सभी छात्रों को कुछ सवाल घर से हल करके लाने के लिए दिए। दूसरे दिन कक्षा में जब अध्यापक महोदय ने सभी छात्रों की कॉपियाँ जांचीं, तो उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि गोपाल कृष्ण गोखले के अतिरिक्त किसी भी छात्र के उत्तर सही नहीं थे। तब अध्यापक ने सभी छात्रों को डांटा और गोपाल कृष्ण की पीठ थपथपाई, मगर एकाएक ही गोपाल कृष्ण फूट–फूटकर रोने लगे। यह देखकर अध्यापक को बड़ा आश्चर्य हुआ और उन्होंने उनसे रोने का कारण पूछा, तब सिसकते हुए गोपाल कृष्ण ने बताया कि जो शाबाशी उन्हें मिल रही है, वे उसके असली अधिकारी नहीं हैं। यह सभी सवाल उन्होंने अपने बड़े भाई से हल करवाये हैं, इसलिए वे प्रशंसा के नहीं बल्कि दण्ड के अधिकारी हैं।

उनके अध्यापक उनकी इस सत्यनिष्ठा और निर्भीकता से अत्यधिक प्रभावित हुए और उन्हें हृदय से लगा लिया। इस घटना से उनका नाम सत्यनिष्ठा के लिए पूरे स्कूल में जाना जाने लगा। एक तरह से शुरुआत थी यह उस निष्ठा की, जिसके आधार पर गोखले ने आगे चलकर अपने चार सिद्धांतों की घोषणा की–

1. सत्य के प्रति अडिगता
2. अपनी भूल की सहज स्वीकृत
3. लक्ष्य के प्रति निष्ठा
4. नैतिक आदर्शों के प्रति आदर भाव

गोखले एक स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, विचारक एवं सुधारक थे। महादेव गोविन्द रानाडे के शिष्य गोपाल कृष्ण गोखले को वित्तीय मामलों की अद्वितीय समझ और उस पर अधिकारपूर्वक बहस करने की क्षमता से उन्हें भारत का 'ग्लेडस्टोन' कहा जाता है। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में सबसे प्रसिद्ध नरमपंथी थे। चरित्र निर्माण की आवश्यकता से पूर्णतः सहमत होकर उन्होंने 1905 में सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी की स्थापना की ताकि नौजवानों को सार्वजनिक जीवन के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। उनका मानना था कि वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा भारत की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। स्व–सरकार व्यक्ति की औसत चारित्रिक दृढ़ता और व्यक्तियों की क्षमता पर निर्भर करती है। महात्मा गांधी उन्हें अपना राजनीतिक गुरु मानते थे।

जीवन परिचय

भारत भूमि को गुलामी की बेड़ियों से आजाद कराने के लिए बहुत से वीर सपूत भारत भूमि पर जन्मे और आजादी पाने के लिए अपने त्याग और बलिदान से इतिहास रचकर चले गए। कुछ ने तलवार और बारूद से गुलामी की जंजीरों को काटने के प्रयास किए तो कुछ ने अपने बुद्धि–चातुर्य से। ऐसे समय में जब 1857 का स्वतंत्रा–समर दम तोड़ चुका था तब समर से बुझती चिंगारी को हवा देने के लिए भारत के समराकाश पर एक सितारा उदय हुआ जिसने अपने तर्कों एवं अहिंसावाद से अंग्रेजों के पांव उखाड़ दिए और जिसे आज संसार गोखले के नाम से जानता है।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नौ वर्ष बाद 9 मई, 1866 को बंबई (अब मुम्बई) प्रेजीडेंसी के रत्नागिरी जिले के कोतलुक गांव में गोपालकृष्ण गोखले का जन्म हुआ, यह वह समय था जब स्वतंत्रता संग्राम असफल अवश्य हो गया था, किंतु भारत के अधिकांश देशवासियों के हृदय में स्वतंत्रता की आग धधकने लगी थी। गोखले परिवार मूल रूप से इसी जिले के वेलणेश्वर गांव का रहने वाला था, किंतु व्यावसायिक कारणों से यह परिवार एक अन्य गांव ताम्हनमाला में आ बसा था। यह समय राजनीतिक आन्दोलनों का था, जैसा कि बताया जा चुका है कि कुछ वर्षों पूर्व ही 1857 का राजनीतिक विद्रोह समाप्त हो चुका था जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कई महान विभूतियों को लील लिया था जिसमें महारानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे जैसी प्रमुख विभूतियां थीं। इस विद्रोह की असफलता के बाद ही जहां लोगों के मन में स्वतंत्र होने की इच्छा बलवती होने लगी थी, वहीं ईस्ट इण्डिया कम्पनी का शासन भी भारत से समाप्त हो गया था और सत्ता की बागडोर महारानी विक्टोरिया ने अपने हाथों में ले ली थी।

1874 में गोपाल कृष्ण अपने बड़े भाई गोविन्द कृष्ण गोखले के साथ उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए कोल्हापुर आ गए। कोल्हापुर कांगल के नजदीक ही उच्च शिक्षा का केंद्र था। यहां अंग्रेजी शिक्षा का भी प्रबंध था। कृष्णराव का तो एकमात्र यही प्रयास था कि भले ही उन्हें कितनी भी कठिनाइयां क्यों न उठानी पड़े, उनके बच्चे किसी प्रकार पढ़–लिखकर बड़े आदमी बन जाये। मगर नियति को कुछ और ही मंजूर था, एक दिन अचानक गोखले परिवार पर वज्रपात हुआ। कृष्णराव गोखले का अचानक देहांत हो गया। उस समय गोपाल कृष्ण मात्र 13 वर्ष के थे।

पिता के असामयिक निधन ने

गोपालकृष्ण को बचपन से ही सहिष्णु और कर्मठ बना दिया था। देश की पराधीनता गोपालकृष्ण को कचोटती रहती। राष्ट्रभक्ति की अजस्त्र धारा का प्रवाह उनके अंतर्मन में सदैव बहता रहता। इसी कारण वे सच्ची लगन, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता की त्रिधारा के वशीभूत होकर कार्य करते और देश की पराधीनता से मुक्ति के प्रयत्न में लगे रहते। न्यू इंग्लिश स्कूल पुणे में अध्यापन करते हुए गोखले जी बालगंगाधर तिलक के संपर्क में आए।

1886 में वह फर्ग्यूसन कॉलेज में अंग्रेज़ी के प्राध्यापक के रूप में डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी में सम्मिलित हुए। वह श्री एम.जी. रानाडे के प्रभाव में आए। सार्वजनिक सभा पूना के सचिव बने। 1890 में कांग्रेस में सम्मिलित हुए। 1896 में वेल्बी कमीशन के समक्ष गवाही देने के लिए वह इंग्लैण्ड गए। वह 1899 में बम्बई विधान सभा के लिए और 1902 में इम्पीरियल विधान परिषद में निर्वाचित किए गए। वह अफ्रीका गए और वहां गांधी जी से मिले। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की भारतीय समस्या में विशेष दिलचस्पी ली। अपने चरित्र की सरलता, बौद्धिक क्षमता और देश के प्रति दीर्घकालीन स्वार्थहीन सेवा के लिए उन्हें सदा सदा स्मरण किया जाएगा। वह भारत लोक सेवा समाज के संस्थापक और अध्यक्ष थे। उदारवादी विचारधारा के वह अग्रणी प्रवक्ता थे।

वाकपटुता का कमाल

बाल गंगाधर तिलक से मिलने के बाद गोखले के जीवन को नई दिशा मिल गई थी। गोखले ने पहली बार कोल्हापुर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया था–सन् 1885 में। गोखले का भाषण सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए थे, भाषण का विषय था– अंग्रेजी हुकूमत के अधीन भारत।

प्रतिज्ञा वाक्य

गोखले के अन्तर्निहित गुणों के विकास में महादेव गोविन्द रानाडे, अर्थशास्त्र के प्राध्यापक पद से महाराष्ट्र उच्च न्यायलय के न्यायाधीश पद की यात्रा करने वाले महामानव की भूमिका महात्वपूर्ण थी। रानाडे को गोखले अपना गुरु मानते थे। रानाडे से मिलने के बाद गोखले ने लिखा था– 'मैं विनम्र, किन्तु अडिग भाव से निम्न कार्य पूरे करने की चेष्टा करूंगा–

1. नियमित योग साधना।

2. प्राचीन इतिहास, प्राचीन एवं आधुनिक दर्शन, खगोलशास्त्र, भू विज्ञान, जीव विज्ञान, मनोविज्ञान और फ्रेंच भाषा का अध्ययन करूंगा।

3. बंबई विधान परिषद् या सुप्रीम विधान परिषद् या ब्रिटिश पार्लियामेंट का सदस्य बनने का प्रयास करूंगा।

4. प्रचारक बनकर उत्कृष्टतम दर्शन मूलक धर्म का पालन करूंगा।'

सुधारक की कड़ी भाषा

'केसरी' और 'मराठा' अखबारों के माध्यम से तिलक जहां अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध लड़ रहे थे, वहीं 'सुधारक' को गोखले ने अपनी लड़ाई का माध्यम बनाया हुआ था। 'केसरी' की अपेक्षा 'सुधारक' का रूप आक्रामक था। सैनिकों द्वारा बलात्कार का शिकार हुई दो महिलाओं ने जब आत्महत्या कर ली, तो 'सुधारक' ने भारतीयों को कड़ी भाषा में धिक्कारा था– 'तुम्हें धिक्कार है, जो अपनी माता–बहनों पर होता हुआ अत्याचार चुप्पी साधकर देख रहे हो। इतने निष्क्रिय भाव से तो पशु भी अत्याचार सहन नहीं करते।' इन शब्दों ने भारत में ही नहीं, इंग्लैंड के सभ्य समाज में भी खलबली मचा दी थी।

गोखले जी 1905 में आजादी के पक्ष में अंग्रेजों के समक्ष लाला लाजपतराय के साथ इंग्लैंड गए और अत्यंत प्रभावी ढंग से वहाँ हमारे देश की स्वतंत्रता की बात रखी। 19 फरवरी 1915 को गोपालकृष्ण गोखले इस संसार से सदा–सदा के लिए विदा हो गए।

पृष्ठ सं. 19 का शेष

जल ही जीवन

नल से हाथ धोने से 25 लीटर, नल के नीचे बर्तन धोने से 20 लीटर, खुले बर्तन में खाना बनाने में 5 लीटर, पांच सितारा होटलों में टब बाथ में 200 लीटर, डिटरजेंट पाउडर व साबुन से कपड़े धोने में 50 लीटर पानी का उपयोग कर रहे हैं। राघव ने पूछा कि गुरूजी! पानी बचाने के लिए हमें क्या करना चाहिये?

गुरूजी दृढ होकर शान्त मन से कहने लगे, वत्स! पानी बचाने के लिए हमें निम्न कार्य करने चाहिये जिससे जल के साथ कल की भी रक्षा की जा सके।

1. टपकते अथवा बहते नल को बंद करें।
2. नल के नीचे बैठकर अथवा खड़े होकर स्नान न करें।
3. स्नानघरों के फव्वारों, बाथ टबों एवं स्विमिंग पुलों के उपयोग पर नियन्त्रण किया जाय, बाल्टी द्वारा स्नान से पानी की बचत की जा सकती है।
4. कार आदि वाहनों को फव्वारों की बजाय हल्के पोचे से साफ करना उचित रहेगा।
5. मंजन, कुल्ला और शेविंग आदि करते समय पानी का नल खुला नहीं रखे।
6. नदी, नालों में शवों को छोड़ना, राख एवं अस्थियां डालने पर कानूनी प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक है।
7. पानी गिलास में लेकर ऊपर से पीयें जिससे पानी की बचत हो।
8. शौचालय में फ्लश की बजाय बाल्टी का उपयोग करने से 15 लीटर पानी की बचत हो सकती है।
9. केवल मग में पानी लेकर शेव करने से 8 लीटर पानी की बचत कर सकते है।
10. फर्श को नल की बजाय पौछा लगाकर साफ करें तो 40 लीटर पानी की बचत कर सकते है।
11. नदियों, तालाबों एवं जल स्त्रोतों को दूषित करने वालों के विरूद्ध कठोर सजा का प्रावधान किया जाना चाहिये।
12. वर्षा जल का हार्वेस्टिंग विधि द्वारा नलकूप में संग्रहण कर जल स्तर को बढाया जा सकता है।

पर्यटन स्थल

विश्व धरोहर रणथंभोर दूर्ग

रणथंभोर दुर्ग दिल्ली–मुंबई रेल मार्ग के सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन से 13 कि. मी. दूर रन और थंभ नाम की पहाडियों के बीच समुद्रतल से 481 मीटर ऊंचाई पर 12 कि.मी. की परिधि में बना है। दुर्ग के तीनो और पहाड़ों में प्रातिक खाई बनी है जो इस किले की सुरक्षा को मजबूत कर अजेय बनाती है।

परिचय

किले से संबंधित प्रमुख ऐतिहासिक स्थानों में नौलखा दरवाजा, हाथीपोल, गणेशपोल, सुरजपोल और त्रिपोलिया प्रमुख प्रवेश द्वार है। त्रिपोलिया अंधेरी दरवाजा भी कहलाता है। इसके पास से एक सुरंग महलों तक गई है। किले तक पहुँचने के लिए कई उतार–चढ़ाव, संकरे व फिसलन वाले रास्ते तय करने के साथ नौलखा, हाथीपोल, गणेशपोल और त्रिपोलिया द्वार पार करना पड़ता है। इस किले में हम्मीर महल, सुपारी महल, हम्मीर कचहरी, बादल महल, जबरा–भंवरा, 32 खम्बों की छतरी, रनिहाड़ तालाब, महादेव की छतरी, गणेश मंदिर, चामुंडा मंदिर, ब्रह्मा मंदिर, शिव मंदिर, जैन मंदिर, पीर सहरुद्दीन की दरगाह, सामंतो की हवेलियाँ तत्कालीन स्थापत्य कला के अनूठे प्रतीक है। राणा सांगा की रानी कर्मवती द्वारा शुरू की गई अधूरी छतरी भी दर्शनीय है। दुर्ग का मुख्य आकर्षण हम्मीर महल है जो देश के सबसे प्राचीन राजप्रसादों में से एक है। स्थापत्य के नाम पर यह दुर्ग भी भग्न–समृधि की भग्न–स्थली है।

विश्व धरोहर रणथंभोर दुर्ग

कंबोडिया के नामपेन्ह शहर में यूनेस्को की विरासत संबंधी वैश्विक समिति की 36वीं बैठक में दिनांक 21जून 2013 शुक्रवार को भारत का पहाड़ी दुर्ग रणथंभोर का चयन किया गया, इस दुर्ग के घटनाक्रम को विश्व में लाइव देखा गया और सराहा गया। रणथंभोर दुर्ग के अलावा राजस्थान में जंतर–मंतर वेधशाला, घना पक्षी विहार, आमेर का दुर्ग, गागरोन का किला, कुंभलगढ़ का किला, जैसलमेर का दुर्ग एवं चितौड़गढ़ का किला भी विश्व धरोहर में शामिल है।

निर्माण काल

इस किले का निर्माण कब हुआ कहा नहीं जा सकता, लेकिन ज्यादातर इतिहासकार इस दुर्ग का निर्माण चौहान राजा रणथंबन देव द्वारा 944 में निर्मित मानते है, इस किले का अधिकांश निर्माण कार्य चौहान राजाओं के शासन काल में ही हुआ है। दिल्ली के सम्राट पृथ्वीराज चौहान के समय भी यह किला मौजूद था और चौहानों के ही नियंत्रण में था।

शासक

1192 में तहराइन के युद्ध में मुहम्मद गौरी से हारने के बाद दिल्ली की सत्ता पर पृथ्वीराज चौहान का अंत हो गया और उनके पुत्र गोविन्द राज ने रणथंभोर को अपनी राजधानी बनाया। गोविन्द राज के अलावा वाल्हण देव, प्रहलादन, वीरनारायण, वाग्भट्ट, नाहर देव, जैमेत्र सिंह, हम्मीरदेव, महाराणा कुम्भा, राणा सांगा, शेरशाह सुरी, अलाऊद्दीन खिलजी, राव सुरजन हाड़ा और मुगलों के अलावा आमेर के राजाओं आदि का समय–समय पर नियंत्रण रहा लेकिन इस दुर्ग की सबसे ज्यादा ख्याति हम्मीर देव (1282–1301) के शासन काल में रही। हम्मीरदेव का 19 वर्षों का शासन इस दुर्ग का स्वर्णिम युग था। हम्मीर देव चौहान ने 17 युद्ध किए जिनमें 13 युद्धों में उसे विजय श्री मिली। करीब एक शताब्दी तक ये दुर्ग चितौड़ के महाराणाओं के अधिकार में भी रहा। खानवा युद्ध में घायल राणा सांगा को इलाज के लिए इसी दुर्ग में लाया गया था।

आक्रमण

रणथंभोर दुर्ग पर आक्रमणों की भी लम्बी दास्तान रही है, जिसकी शुरुआत दिल्ली के कुतुबुद्दीन ऐबक से हुई और मुगल बादशाह अकबर तक चलती रही। मुहम्मद गौरी व चौहानों के मध्य इस दुर्ग की प्रभुसत्ता के लिये 1209 में युद्ध हुआ। इसके बाद 1226 में इल्तुतमीश ने, 1236 में रजिया सुल्तान ने, 1248–58 में बलबन ने, 1290–1292 में जलालुद्दीन खिलजी ने, 1301 में अलाऊद्दीन खिलजी ने, 1325 में फिरोजशाह तुगलक ने, 1489 में मालवा के मुहम्म्द खिलजी ने, 1429 में महाराणा कुम्भा ने, 1530 में गुजरात के बहादुर शाह ने, 1543 में शेरशाह सुरी ने आक्रमण किये। 1569 में इस दुर्ग पर दिल्ली के बादशाह अकबर ने आक्रमण कर आमेर के राजाओं के माध्यम से तत्कालीन शासक राव सुरजन हाड़ा से सन्धि कर ली।

वर्तमान

कई ऐतिहासिक घटनाओं व हम्मीरदेव चौहान के हठ और शौर्य के प्रतीक इस दुर्ग का जीर्णोद्धार जयपुर के राजा पृथ्वी सिंह और सवाई जगत सिंह ने कराया। महाराजा मान सिंह ने इस दुर्ग को शिकारगाह के रुप में परिवर्तित कराया। आजादी के बाद यह दुर्ग सरकार के अधीन हो गया जो 1964 के बाद से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नियंत्रण में है।

गर्मियों में चुस्त कैसे रहें

डाइट टिप्स

1. ताजा खाना खाएं और स्वस्थ रहें। गर्मियों में तुरंत पकाया हुआ भोजन ही करें, क्योंकि इस मौसम में सब्जी (खासतौर पर टमाटर–आलू वाली रसेदार सब्जियां), दालें जल्दी खराब हो जाती हैं। सुपाच्य भोजन करें और गरिष्ठ भोजन से दूर रहें।
2. सुबह उठने के एक–डेढ़ घंटे के भीतर कुछ न कुछ अवश्य खा लें या फिर ग्रीन टी लें। देर तक बिना खाए रहने से शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। थोड़ी–थोड़ी देर में खाने से ओवरईटिंग से भी बचा जा सकता है। बेहतर होगा कि दिन की शुरूआत हलके गुनगुने पानी में नींबू और शहद के साथ करें।
3. गर्मियों में चाय–कॉफी का सेवन कम करें। कैफीन से शरीर में डिहाइड्रेशन बढ़ता है। इसके बजाय जूस, आइस–टी, दही, लस्सी, छाछ, सत्तू, नींबू–पानी, आम पना, बेल शर्बत, नारियल पानी, गन्ने के रस को अपनी डाइट में शामिल करें।
4. घर में हर समय ग्लूकोज, इलेक्ट्रॉल के अलावा पुदीना और आम पना अवश्य रखें।
5. बाहर की गर्मी से आकर तुरंत फ्रिज का ठंडा पानी न पिएं। इसके बजाय सुराही, मटके या घड़े के पानी को प्राथमिकता दें।
6. मीठे की क्रेविंग हो तो बाजार की मिठाइयों के बजाये सेब, आंवले या बेल का मुरब्बा, गुलकंद या पेठा खाएं।
7. ठंडे पेय पदार्थ से दूर रहें। अत्यधिक ठंडे खाद्य या पेय पदार्थ पाचन क्रिया के अलावा शरीर के नैचरल कूलिंग सिस्टम पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।
8. सुपाच्य व हलकी सब्जियां गर्मियों का उपहार है। गाजर, टमाटर, पालक, खीरे के अलावा पानी से भरपूर लौकी–तोरई जैसी सब्जियां कम कैलोरी वाली होती है, साथ ही इनसे एसिडिटी जैसी समस्याएं भी दूर होती है। इनमें गर्मी से लड़ने की ताकत होती है।

फिटनेस एक्सरसाइज

1. गर्मियों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए अलसुबह और देर शाम की वॉक करना बेहतर है। सुबह छह से सात बजे का समय मॉर्निंग वॉक के लिए सबसे अच्छा है। डिनर के बाद 15–20 मिनट की वॉक भी गर्मियों में फिट रहेगी।
2. पुशअप्स शरीर को वॉर्मअप करने के लिए जरूरी है। यह सिंपल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग है। इससे शरीर का ऊपरी हिस्सा मजबूत होता है।
3. स्क्वॉट्स शरीर के निचले हिस्से की एक्सरसाइज है। इससे थाईज़, हिप्स, क्वॉड्स की एक्सरसाइज होती है।
4. बर्पीज पूरे शरीर के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज है। इसे स्क्वॉट थर्स्ट एक्सरसाइज भी कहते हैं।
5. साइड प्लैंक्स से पेट के आस पास, पीठ और कंधों का व्यायाम होता है।
6. वॉकिंग लंजेज भी शरीर के निचले हिस्से जैसे ग्लुटील, क्वॉड्रिसेप्स और हेमस्ट्रिंग्स को मजबूत करती है। यह एक बेहतरीन कार्डियो वैस्कुलर एक्सरसाइज़ है।
7. ओब्लीक से कमर के इर्द–गिर्द जमी चर्बी दूर होती है।
8. सुपरमैन प्लैंक पॉजिशन में सुपरमैन की तरह ही खड़ा होना पड़ता है।
9. ट्राइसेप्स डिप्स में बांहों के आसपास जमा सैल्युलाइट दूर होता है।

स्त्रियों के लिए एक्सरसाइज

1. पिलेटीज स्त्रियों में लोकप्रिय व्यायाम है। नॉर्मल डिलिवरी के चार हफ्ते के बाद भी इसे किया जा सकता है। इस फिजिकल सिस्टम को जोसफ पिलेटीज ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान घायल सैनिकों को तुरंत स्वास्थ्य लाभ के लिए तैयार किया था। इसके जरिये मसल्स स्ट्रेंथनिंग व स्ट्रेचिंग हेती है।
2. योगा न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। आजकल तो क्लब और जिम में भी अष्टांग योग से पावर योगा तक कराया जाने लगा है।
3. ताइ–चाइ एक चाइनीज सिस्टम है, जिससे संतुलन व सुकून मिलता है। यह स्त्रियों के लिए बेहतर एक्सरसाइज है।
4. स्विमिंग आती है तो गर्मियों में तरोताजा रहने और बॉडी को शेप में रखने के लिए यह बेहतरीन उपाय है। टीनेजर्स के लिए तो यह बहुत जरूरी एक्सरसाइज है।
5. बैली डांसिंग और जुंबा भी हाल के दिनों में काफी पॉपुलर हो रहे हैं।
6. अगर कुछ और नहीं कर सकती हैं तो ब्रिस्क वॉक बेस्ट है। इससे वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है और इससे शरीर को कोई नुकसान भी नहीं होता।
7. जिमिंग बहुत कारगर है, लेकिन इसे किसी कुशल इंस्ट्रक्टर की देखरेख में ही किया जाना चाहिए। पहली बार जिम जाने वाली स्त्रियों को ध्यान रखना चाहिए कि वे हलकी–फुलकी एक्सरसाइज ही करें।

कूल मंत्र

1. गर्मी में रोज कम से कम तीन लीटर पानी पिएं। एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटी से पहले और बाद में भी पानी या लिक्विड पदार्थ लें।
2. डाइट में सूप, सैलेड और फ्रूट्स बढाएं। खाना कम मसालेदार व हलका हो।
3. सफाई का पूरा ध्यान रखें। इस मौसम में पानी जनित बीमारियां फैलती है। हाथों को साफ करते रहें। देर तक कटे फल न खाएं, बाहर खाने से परहेज करें।

क्या न करें

1. फल व सब्जी का जूस एक साथ न पिएं। इनमें कम से कम 3–4 घंटे का अंतराल रखें।
2. एक साथ तीन से अधिक फलों का जूस मिक्स करके न पिएं।
3. डिब्बाबंद या केन वाले जूस से बचें। घर में जूस बना रहे हों तो उसमें बर्फ या ऊपर से चीनी न मिलाएं ताकि अतिरिक्त कैलरी से बच सकें।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'शिविर जीवन' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

शिविर जीवन
CAMPER

बालक–बालिकाओं में शिविर जीवन के प्रति रूचि एवं इनका व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से शिविर जीवन दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। जीवन में हर परिस्थिति में सही तरीके से जीवन व्यतीत करने और घर से बाहर की दिनचर्या में दक्षता हांसिल करने के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान करना तथा उसी आधार पर परीक्षण करने के उपरान्त शिविर जीवन दक्षता बैज प्रदान किया जाता है। इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया निम्नानुसार है –

1. एक सप्ताह के शिविर तथा सप्ताहन्त हाइक या समुद्री यात्रा के लिए व्यक्तिगत आवश्यक सामान की जानकारी हो। सात लड़कों वाले एक सप्ताहन्त टोली शिविर या समुद्री यात्रा के लिए सामान तथा खाद्य–सामग्री (राशन) की जानकारी हो।
2. टोली अथवा दल के शिविर के लिए स्थान चयन के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी हो तथा साथ ही साथ कच्ची योजना बना कर बताए कि वह तम्बू, रसाईघर व सफाई आदि का ध्यान रखते हुए एक टोली–शिविर की व्यवस्था कैसे करेगा।

अथवा

खेई जाने वाली या पाल वाली नाव या समुद्री जहाज के लिए लंगर डालने, बाँधने या लंगर डालने के बाद जहाज को इधर–उधर हिलने के लिए पर्याप्त स्थान को चुनना जाने।

3. इस तथ्य का प्रदर्शन करें कि –

   (अ) वह कुल्हाड़ी के प्रयोग एवं उसकी सुरक्षा उपायों के बारे में जानता है।

   (ब) प्रथम सोपान व द्वितीय सोपान की गाँठों के अतिरिक्त स्लिप रीफ, उब्ल शीट बैंड, बोलाइन ओन ए बाइट और मैन हार्नेस बांधना और उनके उपयोग को जानता है।

4. 90 पौंड तथा 180 पौंड वाली छोलदारी की छोटी–मोटी मरम्मत करना, उसे गाड़ना (लगाना), उखाड़ना तथा तह करने (समेटने) का प्रदर्शन कर सके या स्थानीय उपलब्ध सामग्री से अपनी टोली के सोने योग्य पर्याप्त झोपड़ी बना सके।
5. शिविर पाक विद्या के ज्ञान का प्रदर्शन कर सके तथा भोजन को सुरक्षित ढंग से रखने, पानी को साफ करने तथा कूड़े–करकट को नष्ट करने के तरीकों की सन्तोषजनक जानकारी का प्रदर्शन कर सके।
6. वह अपनी टोली या दल के साथ तम्बू में स्वनिर्मित अस्थायी झोपड़ी में , या जहाज पर या नाव पर कम–से–कम 12 रात्रि का शिविर कर चुका हो और कम–से–कम तीन रात तक अकेला या किसी दूसरे स्काउट के साथ शिविर कर चुका हो। उपरोक्त दोनों दशाओं में ये रातें लगातार होना जरूरी नहीं है।

पृष्ठ सं. 9 का शेष

अन्धकार को क्यों धिक्कारें....

नई राहें, अपेक्षाएँ जिसमें माद्दा है सूर्य को हराने का (सुझाव)–

(1) नाव के खेवनहार लीडरों को प्रशिक्षित करना।

(2) संगठन के मूलाधार रोवर, रेंजर को ऐसे कार्यक्रमों में सम्मिलित कराने विधिक, प्रशासनिक सुविधाएँ सदैव प्राप्त होती रहें, ऐसी सुदृढ़ व्यवस्था स्थापित करना।

(3) ऐसे आयोजनों में सभी को क्षमताओं के अधिकतम प्रकटीकरण का अवसर मिले, ऐसे कार्यक्रम की रूपरेखा बनाना। कार्यक्रम अधिकाधिक द्विमुखी हो पाएँ।

(4) आयोजन में रूपरेखित सम्पूर्ण कार्यक्रमों की वास्तविक यथार्थतः सार्थक क्रियान्वित हो।

अन्ततः, शाश्वत चिंतन सूत्र –

**''विचलित होने का नहीं देखता मैं कारण
हे पुरूष सिंह तुम भी शक्ति करो धारण
आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर तुम
करो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर''**

निराला कृत (राम की शक्तिपूजा)

रोवर लीडर (व्याख्याता 'हिन्दी')
श्री गोविन्द गुरू राज. महा. बाँसवाड़ा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राजस्थान मुख्यालय, जयपुर

वार्षिक कार्यक्रम 2024-25

क्र.सं.	नाम गतिविधि	स्थान	तिथियां
	अप्रेल, 2024		
1	उपराष्ट्रपति/प्रधानमंत्री शील्ड अवार्ड पंजीकरण	राज्य स्तर पर	05.04.2024
2	ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	05.04.2024
3	विश्व स्वास्थ्य दिवस-जनचेतना अभियान	सभी स्तरों पर	07.04.2024
4	जिला कार्यकारिणी बैठक	जिला स्तर	15.04.2024
5	राज्य स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	जगतपुरा, जयपुर	29 से 30.04.2024
6	पृथ्वी दिवस-परिण्डा एवं चुग्गापात्र महाभियान प्रारम्भ	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	22.04.2024
7	राज्य स्तरीय एडवेंचर गतिविधियां	आबूपर्वत, अजमेर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर	26 से 30.04.2024 तक
8	प्रेसीडेन्ट स्काउट/गाइड/रोवर रेंजर तैयारी शिविर	मण्डल स्तर पर	26 से 30.04.2024 तक
9	सचिव/संयुक्त सचिव, जिला मूल्यांकन एवं सेवा योजना समिति मिटिंग;	जिला स्तर	30.04.2024 तक
10	प्रशासनिक प्रतिवेदन एवं गणना भिजवाना	राज्य मुख्यालय पर	30.04.2024 तक
11	पदक/अलंकार पुरस्कार हेतु आवेदन भिजवाना	राज्य स्तर पर	30.04.2024 तक
12	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 07, 10, 11, 13)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
13	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधि	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
14	नो बैग डे के तहत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियां	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
15	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	मई, 2024		
16	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	03 से 09.05.2024 तक
17	विश्व प्रवासी पक्षी दिवस - परिण्डा एवं चुग्गा पात्र	सभी स्तरों पर	09.05.2024
18	प्रेसिडेन्ट रोवर जांच शिविर	माउण्ट आबू/सिरोही	13 से 17.05.2024 तक
19	प्रेसिडेन्ट स्काउट जांच शिविर	पुष्करघाटी, अजमेर/जोधपुर	13 से 17.05.2024 तक
20	प्रेसिडेन्ट गाइड जांच शिविर	म.मु. बनीपार्क जयपुर/बीकानेर	13 से 17.05.2024 तक
21	प्रेसिडेन्ट रेंजर जांच शिविर	जगतपुरा, जयपुर	13 से 17.05.2024 तक
22	ट्रेनर्स मीट	भरतपुर	14 से 16.05.2024 तक
23	कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर (अभिरूचि केन्द्र)	स्थानीय संघ/जिला	17 मई से 25 जून 2024
24	ग्रामीण/स्वतंत्र रोवर लीडर बेसिक कोर्स	आबू पर्वत नं. 01	18 से 24.05.2024 तक
25	कब/स्काउट मास्टर एडवांस कोर्स	आबू पर्वत नं. 01	18 से 24.05.2024 तक
26	जैव विविधता दिवस - प्रतियोगिताए/वार्ताएँ	सभी स्तरों पर	22.05.2024
27	फ्लॉक लीडर/गाइड कैप्टिन/रेंजर लीडर एडवांस कोर्स	आबू पर्वत नं. 01	26.05 से 01.06.2024 तक
28	ग्रामीण/स्वतंत्र रेंजर लीडर बेसिक कोर्स	आबू पर्वत नं. 01	26.05 से 01.06.2024 तक
29	राष्ट्रपति गाइड प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	26 से 30.05.2024
30	तम्बाकू निषेध दिवस - प्रतियोगिताएं	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	31.05.2024
31	जल सेवा/परिण्डा/चुग्गा पात्र अभियान	सभी स्तरों पर	प्रति माह
32	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रति माह
33	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 1, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
34	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	जून, 2024		
35	कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ/जिला	01 से 25.06.2024 तक
36	राष्ट्रपति स्काउट प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	03 से 07.06.2024 तक
37	विश्व पर्यावरण दिवस - स्काउट/गाइड मैराथन	सभी स्तरों पर	05.06.2024
38	रोवर/रेंजर साहसिक शिविर	धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)	10 से 14.06.2024 तक
39	कमिश्नर बेसिक कोर्स	आबू पर्वत नं. 01	08 से 12.06.2024
40	स्काउटर/गाइडर शैक्षणिक भ्रमण	धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)	15 से 19.06.2024 तक

41	सचिव प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	14 से 18.06.2024
42	जल सेवा अभियान	सभी स्तरों पर	20.06.2024
43	विश्व योग दिवस	सभी स्तरों पर	21.06.2024
44	मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	30.06.2024 तक
45	स्थानीय संघ वार्षिक अधिवेशन	स्थानीय संघ स्तर पर	30.06.2024 तक
46	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रति माह
47	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 1, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
48	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन,	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
49	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	जुलाई, 2024		
50	विजन 2034 कार्य योजना	जयपुर	03 से 05.07.2024 तक
51	विश्व जनसंख्या दिवस–(जन चेतना रैली)	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	11.07.2024
52	जिला कार्यकारिणी सभा	जिला स्तर पर	15.07.2024 तक
53	प्रधानमंत्री शील्ड लॉग बुक भेजना	राज्य मुख्यालय पर	15.07.2024 तक
54	राज्य स्तरीय अवार्ड कमेटी बैठक	राज्य मुख्यालय	15.07.2024 तक
55	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला स्तर	16 से 22.07.24 तक
56	संस्था प्रधान सेमिनार	स्था. संघ स्तर पर	20.07.2024 तक
57	स्थानीय संघ वार्षिक अधिवेशन	स्थानीय संघ स्तर पर	20.07.2024 तक
58	ट्रेनिंग कॉउन्सलर/ए.डी.सी द्वारा ग्रुप संभाल	स्थानीय संघ स्तर पर	20 से 26.07.2024 तक
59	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.07.2024 तक
60	एडवेंचर प्रोग्राम	मण्डल स्तर पर	25 से 29.07.2024 तक
61	स्काउटर/गाइडर एवं ट्रेनिंग कॉउन्सलर अभिनवन शिविर	जिला स्तर	31 जुलाई 2024 तक
62	सचिव/संयुक्त सचिव संगोष्ठी	जिला स्तर	31 जुलाई 2024 तक
63	संस्था प्रधान सेमिनार	जिला स्तर	31 जुलाई 2024 तक
64	विद्यालय स्वच्छता अभियान	ग्रुप स्तर पर	31 जुलाई 2024 तक
65	ग्रुप स्तरीय हाईक (पैदल) स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर	ग्रुप स्तर पर	31 जुलाई 2024 तक
66	राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर	जिला स्तर पर	31 जुलाई 2024 तक
67	सचिव/संयुक्त सचिव संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31 जुलाई 2024 तक
68	प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर सेमिनार	मण्डल स्तर पर	31 जुलाई 2024 तक
69	मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31 जुलाई 2024 तक
70	गोल्डन ऐरो अवार्ड फार्म भिजवाना	राज्य मुख्यालय	31 जुलाई 2024 तक
71	जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन	जिला स्तर पर	31 जुलाई 2024 तक
72	राज्य वित्त समिति सभा	राज्य मुख्यालय	31 जुलाई 2024 तक
73	राज्य कार्यकारिणी सभा	राज्य मुख्यालय	31 जुलाई 2024 तक
74	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रति माह
75	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 4, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
76	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन,	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
77	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	अगस्त, 2024		
78	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	मण्डल स्तर	02 से 08.08.2024
79	राज्य स्तरीय सचिव संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	05.08.2024
80	राज्य स्तरीय प्रभारी कमिश्नर संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	06.08.2024
81	स्वतन्त्रता दिवस	सभी स्तरों पर	15.08.2024
82	सद्भावना दिवस (राज्य स्तरीय साइकिल हाईक)	स्थानीय संघ/जिला/मण्डल स्तर	16 से 20.08.2024 तक
83	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.08.2024 तक
84	हिमालय वुड बैज वर्कशॉप	मण्डल स्तर	21 से 22.08.2024
85	रीजनल लेवल एडवोकेशी वर्कशाप ऑन SDGS	भरतपुर/सवाईमाधोपुर	26 से 30.08.2024 तक
86	राज्य परिषद् का वार्षिक अधिवेशन	उदयपुर	29.08.2024

87	ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	उदयपुर	30.08.2024
88	निपुण/राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	मण्डल/जिला स्तर	30.08.2024 तक
89	रोवर/रेंजर विकास समिति एवं यूथ कमेटी सभा	मण्डल स्तर पर	30.08.2024 तक
90	चतुर्थ चरण/हीरक पंख/गोल्डन ऐरो प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.08.2024 तक
91	द्वितीय/तृतीय सोपान/टोली नायक प्रशिक्षण शिविर	स्था.संघ स्तर	30.08.2024 तक
92	राज्य पुरस्कार पंजीकरण ऑनलाइन फॉर्म भिजवाना	राज्य मुख्यालय	30.08.2024 तक
93	कम्यूनिटी डवलपमेन्ट सेमिनार	मण्डल स्तर पर	30.08.2024 तक
94	कब/बुलबुल भ्रमण	स्थानीय संघ स्तर पर	30.08.2024 तक
95	महाविद्यालय प्राचार्य, रोवर/रेंजर लीडर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	31.08.2024
96	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रति माह
97	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रति माह
98	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 15)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
99	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
100	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	सितम्बर, 2024		
101	शिक्षक दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ पर	05.09..2024
102	प्रेसिडेन्ट रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	02 से 06.09.2024 तक
103	उद्योग पर्व सप्ताह	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	07 से 14.09.2024 तक
104	विश्व साक्षरता दिवस	ग्रुप स्तर	08..09.2024
105	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	06 से 12.09.2024 तक
106	स्काउटर/गाइडर एडवांस कोर्स	मण्डल स्तर पर	06 से 12.09.2024 तक
107	श्री गणेश जी मेला	सवाईमाधोपुर	07.09.2024
108	रीजनल लेवल मिनी जम्बूरी(सेन्ट्रल वेस्टर्न रीजन)	झुन्झुनू	08 से 12.09.2024
109	रामदेवरा मेला सेवा शिविर	पोकरण, जैसलमेर	10 से 14.09.2024 तक
110	विश्व ओजोन दिवस– वार्ताएं	सभी स्तर	16.09.2024
111	गाइडर अध्ययन शिविर	मण्डल स्तर पर	18 से 20.09.2024
112	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत	21 से 25.09.2024 तक
113	राज्य स्तरीय जनजाति महोत्सव	बांसवाड़ा	24 से 28.09.2024 तक
114	जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैलियां (प्रथम चरण)	जिला स्तर	30.09.2024 तक
115	कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.09.2024 तक
116	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रति माह
117	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 3, 15, 16)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
118	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
119	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	अक्टूबर, 2024		
120	गांधी/शास्त्री जयन्ती– प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	02.10.2024
121	षष्ठर प्रशिक्षण (कब/बुलबुल) एवं कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	01 से 03.10.2024 तक
122	प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर पर	04 से 06.10.2024 तक
123	राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	14 से 16.10.2024 तक
124	राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	17 से 19.10.2024 तक
125	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.10.2024 तक
126	दशहरा मेला सेवा शिविर	मण्डल कोटा	22 से 26.10.2024 तक
127	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 16)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
128	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर	प्रति माह
129	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
130	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	नवम्बर, 2024		
131	रीजनल लेवल बाल महोत्सव(कब/बुलबुल)	बीकानेर	01 से 05.11.2024
132	भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्था. संघ स्तर/सभी स्तर	07.11.2024

133	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर	08 से 14.11.2024
134	स्काउटर/गाइडर एंडवास कोर्स	मण्डल स्तर	08 से 14.11.2024
135	पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	11 से 15.11.2024 तक
136	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2024 तक
137	हिमालय वुड बैज कोर्स (स्काउट विंग)	कोटा	23 से 29.11.2024
138	हिमालय वुड बैज कोर्स (गाइड विंग)	जोधपुर	23 से 29.11.2024
139	कोलायत मेला सेवा शिविर	कोलायत, बीकानेर	25 से 27.11.2024 तक
140	कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2024 तक
141	द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2024 तक
142	ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2024 तक
143	निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2024 तक
144	अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2024 तक
145	अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2024 तक
146	ग्रुप वार्षिक शिविर	ग्रुप स्तर	30.11.2024 तक
147	प्रेसिडेन्ट स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर आवेदन फार्म भिजवाना,	राज्य मुख्यालय स्तर	30.11.2024 तक
148	चतुर्थ चरण, हीरक पंख, फार्म भिजवाना	सभी स्तरों पर	30.11.2024 तक
149	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	सभी स्तरों पर	प्रति माह
150	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 17)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रति माह
151	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
152	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	दिसम्बर, 2024		
152	विश्व एड्स दिवस–(संगोष्ठी/वार्ताएँ)	ग्रुप स्तर पर	01.12.2024
153	मानवाधिकार दिवस	ग्रुप/स्था.संघ स्तर	10.12.2024 तक
154	डेजर्ट ट्रेकिंग कम एडवेंचर कैम्प	जैसलमेर	17 से 21.12.24
155	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न. 1	21 से 25.12.24 तक
156	रोवर मूट/रेंजर मीट	अजमेर	26 से 30.12.2024
157	नेशनल लेवल एनवायरमेंट एवयरनेश कम ड्रेजर्ट ट्रेंकिंग प्रोग्राम	बाड़मेर	26 से 30.12.2024
158	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	प्रति माह
159	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर	प्रति माह
160	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 5)	जिला स्तर	प्रति माह
161	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
162	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	जनवरी, 2025		
163	युवा दिवस	स्थानीय संघ /जिला स्तर पर	12.01.2025 को
164	प्री ए.एल.टी कोर्स (स्काउट विभाग)	बीकानेर	16 से 22.01.2025
165	प्री ए.एल.टी कोर्स (गाइड विभाग)	बीकानेर	16 से 22.01.2025
166	जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैलियां (द्वितीय चरण)	जिला स्तर पर	16 से 20.01.2025
167	नेशनल लेवल स्टेण्डर्ड जजिंग कैम्प(स्काउट/गाइड)	उदयपुर	18 से 22.01.2025
168	नेशनल लेवल स्टेण्डर्ड जजिंग कैम्प (रोवर/रेंजर)	अजमेर	18 से 22.01.2025
169	गणतन्त्र दिवस	सभी स्तरों पर	26.01.2025
170	शहीद दिवस – प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	30.01.2025
171	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रति माह
172	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रति माह
173	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रति माह
174	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 8, 12)	जिला स्तर पर	प्रति माह
175	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
176	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
	फरवरी, 2025		
177	द्वितीय/तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ स्तर	01 से 05.02.2025
178	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	02 से 08.02.2025

179	उर्स मेला अजमेर	मण्डल स्तर पर	03 से 09.02.2025
180	द्वितीय/तृतीय सोपान जांच शिविर	स्थानीय संघ स्तर	06 से 08.02.2025
181	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	11 से 17.02.2025 तक
182	राज्य पुरस्कार समारोह	जगतपुरा, जयपुर	20 से 23.02.2025
183	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.02.2025
184	विश्व स्काउट दिवस/गाइड चिन्तन दिवस	सभी स्तरों पर	22.02.2025
185	मण्डल स्तरीय एडवेंचर गतिविधियां	मण्डल स्तर	24 से 28.02.2025
186	बेणेश्वर मेला सेवा शिविर	डूंगरपुर	मेले के अनुसार
187	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रति माह
188	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रति माह
189	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 8, 12, 17)	जिला स्तर पर	प्रति माह
190	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
191	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

मार्च, 2025

192	खाटू श्याम जी मेला शिविर सीकर	राज्य स्तर	मेले के अनुसार
193	रीजनल लेवल सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग (गाइड/रेंजर)	कोटा	05 से 09.03.2025
194	ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	जयपुर	07 से 08.03.2025 तक
195	दिव्यांग गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
196	अनाथालय गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
197	पालनहार गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
198	अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
199	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
200	ग्रामीण गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
201	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.03.2025 तक
202	सचिव/सर्कल ऑर्गेनाइजर्स सभा	मण्डल स्तर पर	31.03.2025 तक
203	जिला कार्यकारिणी सभा	जिला स्तर पर	31.03.2025 तक
204	प्लानिंग कमेटी	रा.मु.जयपुर	31.03.2025 तक
205	राज्य कार्यकारिणी सभा	राज्य स्तर पर	31.03.2025 तक
206	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रति माह
207	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रति माह
208	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 11, 13)	जिला स्तर पर	प्रति माह
209	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
210	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

01. शांति दूत - Messenger of Peace (MOP) प्रोजेक्ट सतत विकास गोल्स की सूची संलग्न है।

1. गरीबी का अंत
2. भूखमरी समाप्त करना
3. स्वस्थ जीवन एवं आरोग्य
4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
5. लैंगिक समानता
6. शुद्ध जल एवं स्वच्छता
7. किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा
8. सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास
9. उद्योग, नवाचार और अवसंरचना
10. असमानता में कमी
11. संधारणीय शहर एवं समुदाय
12. सतत् उपभोग एवं उत्पादन
13. जलवायु परिवर्तन
14. पानी में जीवन (जलीय जीव संरक्षण)
15. भूमि पर जीवन (वृक्ष, पक्षी, वन्यजीव संरक्षण)
16. शांति, न्याय और सुदृढ़ संस्थान
17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी

विशेष :–1. राज्य सरकार द्वारा बजट प्राप्ति एवं तत्कालीन परिस्थितियों के मध्य नजर माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय की सहमति से गतिविधियों के आयोजन एवं तिथियों में परिर्वतन सम्भव है।

2. दिनांक 22 मार्च, 2024 को आयोजित राज्य कार्यकारिणी समिति की सभा से अनुमोदित

राज्य सचिव

गतिविधि पञ्चांग

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Himalaya Wood Badge Course for Rover Scout Leaders	07 - 13 May 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
National Youth Meet for Rovers and Rangers	11 - 14 May 2024	Ketti (Niligiris), Tamilnadu
Himalaya Wood Badge Course for Scout Masters	15 - 21 May 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
Workshop on National Adult Resourse Management (Both Wing)	03 - 07 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
First Aid Course, Pioneering and Estimation Course, Mapping & Star Gazing Course	03 - 07 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
94th Course for ALT (Scout Wing)	10 - 16 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
Yoga Instructors Course (Common-Both Wing)	19 - 23 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Jam Brownee at Pax Lodge World Centre	30 May - 02 June 2024	London, United Kingdom
International Scout Youth Forum 2024 on Modern Technology and Scouting	08 - 10 June 2024	Hong Kong Scout Centre
APR Youth Leadership Training Course -2024	24 - 27 June 2024	Gazipur, Bangladesh
12th National Scout Jamboree at Taiwan	10 - 16 July 2024	Taiwan
Jamscout 2024- National Scout Jamboree in Spain	13 - 21 July 2024	Cobaleda, Soria
7th National Jamboree - Mongolia	19 - 27 July 2024	Mangolia
09th Africa Scout Jamboree	02 - 11 August 2024	Bungere, Gitega
Red Rose International Jamboree	03 - 10 August, 2024	United Kingdom
13th Nippon Agoonoree – National Camp for the Scouts with Special Needs	08 - 12 August, 2024	Fukushima, Japan
43rd World Scout Conference	17-23 August, 2024	Egypt
26th Australian Jamboree (AJ2025)	06 - 15 January 2025	Maryborough in Queensland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal

National Headquarters website : www.bsgindia.org

मतदान केन्द्रों पर स्काउट गाइड सेवा के छाया-चित्र

सीकर

जालोर

प्रतापगढ़

बून्दी

झालावाड़

पाली

बांसवाड़ा

झुन्झुनू में राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण के ध्वजारोहण के साथ शुभारम्भ का दृश्य तथा
शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने उपस्थित संभागी स्काउट्स एवं गाइड्स

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com